हरिभूमि
रायपुर भूमि

धीमी गति से स्काईवॉक निर्माण, शास्त्री चौक के पास गर्डर लगाने में माहभर लगेगा, एस्केलेटर, सीढ़ी सहित कई काम बाकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर में जयस्तंभ चौक के पास से अंबेडकर अस्पताल चौक तक स्कॉईवॉक का निर्माण कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। इसके निर्माण कार्य की समय-सीमा अप्रैल 2026 तक थी, लेकिन इसके बाद भी स्कॉईवॉक के अधूरे निर्माण का कार्य 50 प्रतिशत भी नहीं हो पाया है। स्कॉईवॉक निर्माण कार्य में लगे कर्मचारियों ने बताया कि इसे पूरा होने में अभी भी लगभग 6 महीने और लग सकते हैं, क्योंकि एस्केलेटर, सीढ़ी, शास्त्री चौक के पास छूटे स्काईवॉक पर गर्डर, टिन शेड, हूड पाइप सहित अन्य कई कार्य होने अभी बाकी हैं।

अधूरे स्कॉईवॉक को पूरा करना पड़ रहा भारी

अधूरे स्कॉईवॉक का निर्माण पूर्ण करने में जहां निर्माण एजेंसी पीएसएए कंट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड को पसीना छूट रहा है, वहीं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के लिए भी इसका निर्माण पूर्ण कराना चुनौती बन गया है। अधूरे स्कॉईवॉक का निर्माण पूर्ण कराने का जब टेंडर हुआ था, उसी माह में वर्क ऑर्डर भी जारी होना था, ▶▶|शेष पेज 11 पर

बारिश के कारण फिर रुकेगा काम

बारिश का सीजन शुरू होने वाला है। अगले 8 से 10 दिनों में मानसून छत्तीसगढ़ में दस्तक दे सकता है, जिसका असर स्कॉईवॉक के निर्माण कार्य पर भी पड़ेगा। बारिश का सीजन 3 से 4 महीने तक रहता है। इस दौरान लगभग दो महीने तक कार्य भी प्रभावित रहेगा। निर्माण एजेंसी और विभाग के अधिकारी लगातार यही दावे करते आ रहे थे कि स्काईवॉक समय-सीमा में पूर्ण हो जाएगा, लेकिन जिस गति से इसका निर्माण कार्य चल रहा है, उसे देखकर अब संभावना जताई जा रही है कि इसे पूरा होने में 8 से 10 माह का समय और लग सकता है।

शास्त्री चौक में छूटा स्काईवॉक का गर्डर अगले माह चढ़ेगा

शास्त्री चौक के पास स्कॉईवॉक का भाग अधूरा है। यहां अभी तक गर्डर चढ़ाया नहीं गया है। यह गर्डर लगभग बनकर तैयार है। शास्त्री चौक के पास अस्थाई रूप से बनाए गए कंपनी के वर्कशॉप में इस गर्डर के बचे हुए कार्य को पूरा किया जा रहा है। इसके लिए यहां कर्मचारियों की टीम लगी हुई है। इनमें से ही एक कर्मचारी ने बताया कि गर्डर संभवतः अगले महीने ही चढ़ाया जा सकेगा। इसमें कुछ काम बाकी है।

खबर संक्षेप

डूंडा में दर्री तालाब के पास बेजा कब्जा हटाया

रायपुर। नगर निगम जोन 10 के नगर निवेश विभाग ने सोमवार को बाबू जगजीवन राम वार्ड स्थित डूंडा के दर्री तालाब के पास करीब 10 हजार वर्गफीट पर किए गए अवैध कब्जा और बिना अनुमति निर्माण को जेसीबी मशीन से तोड़ गिराया। इसी तरह कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड के जानकी नगर में अभियान चलाकर 6000 वर्गफीट पर किए गए अवैध निर्माण को हटाने में तत्परता दिखाई। तहसीलदार रायपुर और जोन 10 कमिश्नर मोनेश्वर शर्मा के मार्गदर्शन में संबंधित क्षेत्र के पटवारी की मौजूदगी में अवैध कब्जा हटाने अभियान चलाया गया। नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा के निर्देश पर जोन 10 नगर निवेश विभाग की टीम द्वारा जानकी नगर में करीब 6000 वर्गफीट क्षेत्र में किये गए अवैध निर्माण को जेसीबी मशीन से हटाने टीम डटी रही।

नौ बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

रायपुर। पुलिस कमिश्नरेट के वेस्ट जोन में डीसीपी के निर्देश पर टिकरापारा पुलिस ने नौ बदमाशों के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए जेल दाखिल किया है। लगातार हो रही आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने पुलिस ने अड्डेबाजी, चाकूबाजी व नशेड़ियों की पहचान कर उनके खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है।

युवक के साथ लूट, चार नाबालिग धरे गए

रायपुर। सरस्वती नगर थाना क्षेत्र में युवक के साथ लूट के आरोप में पुलिस ने चार नाबालिगों को पकड़ा है। उज्जवल मंडल के साथ बदमाशों ने लूट की थी। उज्जवल ने पिछले सप्ताह 5 जून को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि वह घटना दिनांक को एक साथी के साथ एक्टिवा में पेट्रोल डलवाने जा रहा था। सुयश अस्पताल के पास चारों बदमाश उज्जवल को रोककर चाकू की नोक पर एक खाली मैदान की ओर ले गए। इसके बाद बदमाश उज्जवल तथा उसके साथी के साथ मारपीट कर कैश 23 सौ रुपए, पैन कार्ड लूटकर मौके से फरार हो गए थे।

नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई

रायपुर। ट्रैफिक पुलिस ने रविवार रात शहर के अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए नशे की हालत में गाड़ी चलाने वाले 52 नशेड़ी वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की है। एसीपी ट्रैफिक सतीश के नेतृत्व में शहर के 9 स्थान तेलीबांधा, पचपेड़ी नाका, भाठागांव, टाटीबंध, कालीबाड़ी, जयस्तंभ चौक, भनपुरी चौक एवं पंडरी थाना के सामने विशेष चेकिंग अभियान चलाकर नशे की हालत में गाड़ी चला रहे 34 कार, 11 बाइक, 2 टाटा एस, 4 ट्रक, 1 पिकअप वाहन के चालक के खिलाफ कार्रवाई की है।

पिछले वर्ष की तुलना में हेलमेट को लेकर चालानी कार्रवाई में 10 गुना वृद्धि

उलझे यातायात के बीच हेलमेट भारी, पुलिस भी दे रही ऑनलाइन चालान का टेंशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि सरोकार

राजधानी में पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बाद बेलगाम ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने कई तरह के उपाय किए जा रहे हैं। सबसे ज्यादा कार्रवाई दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ की जा रही है। दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा परेशान हेलमेट को लेकर की जा रही कार्रवाई से है। कार तथा अन्य वाहन चालकों के खिलाफ ड्रंक एंड ड्राइव कर गाड़ी चलाने पर कार्रवाई की जा रही है। उल्लेखनीय है कि पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के पूर्व हाईवे तथा राजमार्ग में बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों के खिलाफ जुर्माना कार्रवाई की जा रही थी। राजधानी में पुलिस आयुक्त प्रणाली लागू होने के बाद ट्रैफिक मैनेजमेंट के नाम पर बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले सभी दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ चालानी कार्रवाई की जा रही है। ट्रैफिक पुलिस मुख्यालय में मैन्युअल चालान जमा करने वालों में आधी से ज्यादा भीड़ बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों की रहती है।

औसतन हर माह छह हजार से ज्यादा हो रही चालानी कार्रवाई

कार्रवाई के डर से पहनने लगे लोग हेलमेट

बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने पर लगातार चालानी कार्रवाई से लोग थर्रा गए हैं। कार्रवाई से बचने लोग अब दोपहिया चलाते समय अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने लगे हैं। पड़ताल करने पर कई दोपहिया वाहन चालक ऐसे मिले हैं, जिन लोगों ने बगैर हेलमेट वाहन चलाने पर तीन से चार हजार रुपए तक जुर्माना पटाया है।

माउथ प्रचार ज्यादा

पूर्व में पुलिस हेलमेट पहनने के लिए अलग से जन जागरूकता अभियान चलाती थी। बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पूर्व में जो कार्रवाई हुई है, उन कार्रवाईयों का माउथ प्रचार होने से भी लोग कार्रवाई से बचने हेलमेट पहन कर दोपहिया वाहन चलाने लगे हैं, जो पुलिस के जनजागरूकता अभियान से ज्यादा तेजी से लोगों के बीच प्रचारित हुआ है।

पांच महीने में 32 हजार से ज्यादा कार्रवाई

ट्रैफिक पुलिस के प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक बगैर हेलमेट सबसे ज्यादा चालानी कार्रवाई अप्रैल में हुई है। अप्रैल में बगैर हेलमेट दोपहिया चलाने वाले 10 हजार वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मार्च में 9 हजार 238, फरवरी में 6 हजार 102 जनवरी में 4 हजार 792 तथा पिछले महीने मई में 2 हजार 421 दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। पिछले वर्ष इन पांच महीनों में महज 3 हजार 261 दोपहिया वाहन चालक जो बगैर हेलमेट गाड़ी चला रहे थे, उनके खिलाफ कार्रवाई की गई है।

कार्रवाई से बचने नंबर प्लेट में कर रहे छेड़खानी

बगैर हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले वाहन चालक पुलिस कार्रवाई से बचने अपने नंबर प्लेट में छेड़खानी कर दोपहिया वाहन चला रहे हैं। इसके साथ ही बैट्री चलित कार तथा दोपहिया वाहन का नंबर प्लेट हरा होने के साथ ही उसमें अंकित नंबर काले रंग का है। इसके कारण आईटीएमएस कैमरा बैट्री चलित दोपहिया वाहन तथा ई-रिक्शा का नंबर प्लेट रीड नहीं कर रहा है।

लोगों ने की राहत देने की मांग

अलग-अलग दोपहिया वाहन चालकों से बात करने पर उन लोगों ने पुलिस कमिश्नर से शहर के भीतर हेलमेट के नाम पर चालान काटे जाने से राहत देने की मांग की है। स्थानीय रहवासियों के अनुसार बगैर हेलमेट वाहन चलाने पर अब जयस्तंभ चौक जैसी जगह पर चालान काटे जा रहे हैं। इस संबंध में पुलिस अफसरों से संपर्क करने पर अफसरों ने बताया, रविवार को शंकर नगर मेन रोड जो व्यस्त मार्ग है, एक दोपहिया चालक को एक कार ने ठोकर मार दी। दोपहिया चालक के सिर पर गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अफसरों के अनुसार दोपहिया चालक हेलमेट पहना होता, तो उसकी जान बच सकती थी। इस कारण पुलिस ने शहर के अंदर किसी भी तरह से बगैर हेलमेट दोपहिया चलाने वालों को किसी भी तरह से राहत देने की बात से इनकार किया है।

राजनांदगांव के सोमनी स्वास्थ्य केंद्र का मामला, जांच में बताया था प्रेग्नेंट

नाबालिग के स्वास्थ्य परीक्षण में लापरवाही, बीएमओ सस्पेंड

प्रशासन ने जारी किए आदेश, जांच के बाद होगी कार्रवाई
गलत मेडिकल रिपोर्ट और थाने में प्रताड़ना की जांच करेगी दो समितियां

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हरिभूमि फॉलोअप

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 14 साल की बच्ची की जांच के बाद प्रेग्नेंट बताने के मामले में लापरवाही के आरोप में ब्लाक मेडिकल आफिसर को राज्य शासन ने निलंबित कर दिया है। किट से तीन बार हुई जांच पॉजिटिव आई थी, जबकि जिला अस्पताल में वहीं रिपोर्ट निगेटिव मिली थी। इस मामले में चिकित्सा अधिकारी को स्वास्थ्य केंद्र से हटा दिया गया था।

राजनांदगांव जिले के सोमनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में हुई इस घटना ने चिकित्सा जगत और स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा रखा है। इस सीएचसी में एक नाबालिग के मुलाहिजा के दौरान प्रेग्नेंसी किट से टेस्ट में पॉजिटिव रिपोर्ट आई थी और तीन बार टेस्ट के बाद परिजनों के होश उड़ गए थे। काफी बवाल के बाद बच्ची का जिला अस्पताल में टेस्ट कराया गया, तो रिपोर्ट निगेटिव आने पर हल्ला मच गया था। लापरवाही पर लगे गंभीर आरोपों के बीच सीएचसी की चिकित्सा अधिकारी को वहां से हटा दिया गया था। इसके बाद मामले की जांच के बाद पता चला कि प्रेग्नेंसी किट की खरीदी लोकल पर्चेस के आधार पर एक फर्म विशेष से की गई थी, जो खराब थी। इस मामले में राज्य शासन ने बड़ा एक्शन लेते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) डा. एनके टंडन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियम, 1966 के नियम 9(1)(ए) के तहत यह कार्रवाई की गई है। निलंबन अवधि के दौरान बीएमओ का मुख्यालय डिविज़नल जॉइंट डायरेक्टर, हेल्थ सर्विसेज़, दुर्ग कार्यालय तय किया गया है और वे सक्षम अधिकारी की अनुमति के बिना मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

गरीब बच्चों की फीस बढ़ाने बनेगी कमेटी, 14 साल बाद बढ़ेगी आरटीई राशि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

निजी स्कूलों में अध्ययनरत गरीब बच्चों की फीस बढ़ाने के लिए अब कमेटी बनाई जाएगी। स्कूल शिक्षा सचिव ने प्रतिपूर्ति राशि के पुनः निर्धारण के लिए कमेटी बनाने का निर्देश लोक शिक्षण संचालनालय को दिया है। प्रतिपूर्ति राशि तय करने के लिए कमेटी बनने के बाद 14 वर्ष बाद अब इसमें वृद्धि होगी। कमेटी निर्माण के बाद निजी स्कूलों ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया है। हालांकि अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि कमेटी द्वारा बढ़ाई गई राशि का भुगतान निजी स्कूलों को कौन से सत्र से किया जाएगा।

गौरतलब है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत सीटें गरीब बच्चों के लिए आरक्षित रहती हैं। इन सीटों पर अध्ययनरत छात्रों की फीस शासन द्वारा निजी स्कूलों को प्रदान की जाती है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम आने से लेकर अब तक प्रति छात्र 7 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाती रही है। इसमें वृद्धि की मांग को लेकर ही निजी स्कूल मार्च से असहयोग आंदोलन पर थे।

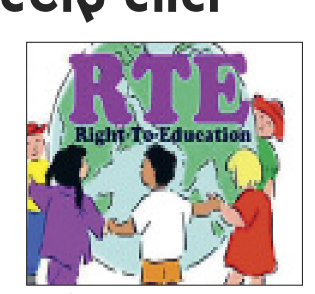

- लोक शिक्षण संचालनालय को दिए गए निर्देश
- आदेश के बाद निजी स्कूलों ने वापस लिया असहयोग आंदोलन

निर्धारित अवधि में पुनः निर्धारण

फीस का पुनःनिर्धारण निर्धारित अवधि में होता रहे, इसकी भी मांग हमारे द्वारा की गई है। इससे व्यवस्था सुचारू बनाए रखने में मदद मिलेगी।

- राजीव गुप्ता
अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

आरटीई दाखिले का किया था बायकाट

गौरतलब है कि निजी स्कूल संघ लंबे समय से आरटीई राशि बढ़ाने की मांग करता रहा है। मांग पूरा नहीं होने की स्थिति में शैक्षणिक सत्र 2026-27 में निजी स्कूलों में गरीब बच्चों के लिए आरक्षित सीटों पर प्रवेश नहीं देने का निर्णय संघ ने लिया था। आरटीई के पहले चरण की लॉटरी में नाम आने के बाद भी छात्रों को कई दिनों तक स्कूलों में प्रवेश नहीं दिए गए। हालांकि छात्रहित को ध्यान में रखते हुए निजी स्कूलों ने प्रवेश प्रारंभ कर दिए थे। आरटीई सीटों पर प्रथम चरण के दाखिले पूर्ण होने पश्चात अब दूसरे चरण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

42 पानी टंकियों में 11 की शाम को पानी नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित द्वारा रावणभाठा बिजली उपकेंद्र में 33 केव्ही. फीडरों में संधारण का कार्य किए जाने के कारण 11 जून को इंटेकवेल और फिल्टर प्लांट बंद होने से 80 और 150 एमएलडी का प्लांट बंद रहेगा। इस वजह से शहर की 42 पानी टंकियों से शाम के समय जल आपूर्ति नहीं होगी। 12 जून को सुबह जल प्रदाय नियमित रूप से शुरू हो जाएगा। छत्तीगसढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी की ओर से रावणभाठा उपकेंद्र में 33 केव्ही 10 पोल स्ट्रक्चर के बीच भूमिगत केबल डाला गया है, जिसे लाइन से जोड़ने का कार्य किया जाना है, इसलिए 11 जून को 33 केव्ही लाइन इंटेकवेल और फिल्टर प्लांट बंद होने से 80 ▶▶|शेष पेज 11 पर

- रावणभाठा उपकेंद्र के 33 केव्ही फीडरों में संधारण कार्य

अंकसूची सत्यापन के लिए अब चुकाने होंगे 5 हजार

रविवि ने की परीक्षा शुल्क में 46% वृद्धि हर साल 5 प्रतिशत दर से होगी बढ़ोतरी

- आक्रोशित छात्रों ने घेरा प्रशासनिक भवन, पूछा- गरीब कहां से लाए पैसे?

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा परीक्षा शुल्क में बेतहाशा वृद्धि के विरोध में छात्र विरोध में उतर आए हैं। रविवि ने परीक्षा शुल्क में 46 प्रतिशत की वृद्धि की है। रविवि परीक्षा शुल्क में प्रतिवर्ष 5 प्रतिशत की दर से वृद्धि करता रहेगा। इस बढ़ोत्तरी के विरोध में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सोमवार को प्रशासनिक भवन का घेराव किया। ▶▶|शेष पेज 11 पर

गलती विवि की, लेकिन छात्र देंगे 500 रुपए

अभाविप ने अंकसूची एवं पाठ्यक्रम सत्यापन शुल्क को बढ़ाकर 5000 रुपए किए जाने के निर्णय पर भी गंभीर आपत्ति व्यक्त की है। छात्रों ने कहा, उपाधि प्रमाण पत्र प्राप्त करते समय नाम अथवा अन्य विवरणों में सुधार के लिए 500 शुल्क निर्धारित करना भी अनुचित है, क्योंकि अनेक मामलों में त्रुटियां विव स्तर पर लिपिकीय गलतियों के कारण होती है। ▶▶|शेष पेज 11 पर

1085 की जगह देने होंगे 1580 रुपए

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सेमेस्टर परीक्षा शुल्क 1075 रुपए कर दिया है। वार्षिक परीक्षा शुल्क 1085 रुपए से को बढ़ाकर 1580 रुपए कर दिया गया है। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा, 46 प्रतिशत की एकमुश्त वृद्धि विशेष रूप से गरीब, मध्यमवर्गीय एवं ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों के लिए गंभीर आर्थिक संकट उत्पन्न करेगी। इसके साथ ही आगामी सत्रों में प्रतिवर्ष ▶▶|शेष पेज 11 पर

नियम व शर्तें तैयार करने में जुटा निगम

शहर के 70 वार्डों की सफाई ठेका के लिए जेम पोर्टल से होगा टेंडर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर नगर निगम शहर के सभी 70 वार्डों की सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने जेम पोर्टल के जरिए सफाई ठेका का ऑनलाइन टेंडर करेगा। निगम प्रशासन इसके लिए कड़े नियम व शर्तें तैयार कर रहा है,जल्द ही इसके लिए निविदा जारी होगी। यह एक बड़ा और प्रशासनिक दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम होगा। इसकी जरूरत इसलिए भी है, क्योंकि इससे होने वाले सीधे लाभ शहर की स्वच्छता और जनता की सहूलियत से जुड़े हुए हैं। इस पर जल्द निर्णय होगा। सफाई जनता से जुड़ी आवश्यक सेवा है, इसलिए नया टेंडर होते तक पुराने ठेकेदारों से सहमति लेकर उन्हें 2 माह का एक्सटेंशन सफाई कार्य के लिए दिया जाएगा। दरअसल, रायपुर नगर निगम के दस जोन के 70 वार्डों में पिछले डेढ़ साल से सफाई के लिए नया ठेका नहीं हुआ है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा पुराने ठेकेदारों को 6-6 माह का अतिरिक्त समय देकर पूरे शहर के वार्डों की सफाई का कार्य कराया जा रहा है। पूर्व में दस जोन के 70 वार्डों के लिए जोनवार हुए सफाई ठेका में शहरभर में 40 से 45 अनुबंधित ठेकेदारों पर शहर के वार्डों की सफाई व्यवस्था की जिम्मेदारी है। पुराने ठेकेदारों के सफाई ठेका के अनुबंध की अवधि डेढ़ साल पहले समाप्त हो गई है। इसके बाद भी नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग ने अब तक नया सफाई ठेका नहीं किया है। इस बार शहर के सभी वार्डों के सफाई कार्य के लिए जेम पोर्टल से टेंडर किया जाएगा। इसके लिए नियम व शर्तें तैयार की जा रही हैं।

- जेम पोर्टल पूरी तरह से केंद्रीयकृत और पारदर्शी

सफाई आवश्यक सेवा इसलिए पुराने ठेकेदारों से सहमति लेकर 2 माह का एक्सटेंशन

जेम पोर्टल से करेंगे टेंडर

70 वार्डों की सफाई ठेका के लिए जेम पोर्टल से टेंडर करेंगे, इसके लिए आवश्यक नियम व शर्तें तैयार हो रही हैं। टेंडर होते तक सफाई आवश्यक कार्य है, व्यवस्था प्रभावित न हो, इसलिए पुराने ठेकेदारों से सहमति के आधार पर 2 माह तक के लिए उनके कार्य का एक्टेंशन दिया जाएगा।

- विनोद पांडे, अपर आयुक्त, स्वास्थ्य, नगर निगम रायपुर

संयंत्र में श्रमिक की कटी उंगलियां, मुआवजा और इलाज के लिए है दर ब दर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| धरसींवा

औद्योगिक क्षेत्र सिलतरा और कपसदा इस समय न केवल मजदूरों के शोषण का केंद्र बन चुके हैं, बल्कि राज्य की सुरक्षा और कानून व्यवस्था के लिए एक बड़ा नासूर साबित हो रहे हैं। एक तरफ जहां इन फैक्ट्रियों के भीतर से देश के कोने-कोने से भागे कुख्यात अपराधी निकल रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ गरीब स्थानीय मजदूरों को मिलने वाले कर्मचारी राज्य बीमा (ई एस आई सी) के बुनियादी लाभ से पूरी तरह वंचित कर राज्य सरकार के श्रम कानूनों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। बता दे कि मुनाफे की अंधी हवस में डूबे उद्योगपतियों और ठेकेदारों के इस खौफनाक गठजोड़ का सबसे सनसनीखेज चेहरा बीते रविवार को सिलतरा के एक उद्योग में उस वक्त सामने आया, जब पुलिस ने दबिश देकर बिहार के एक कुख्यात और वांटेड अपराधी को गिरफ्तार किया।

- ब्लाक श्रम सतर्कता समिति मुख्यमंत्री व कलेक्टर से लगाएंगे गुहार

ईएसआईसी कार्ड नहीं बना और उद्योग से नहीं मिल रही मदद

वेरिफिकेशन के निर्देश जारी

फैक्ट्री में दुर्घटना को छुपाना मामला बेहद गंभीर है व कारखानों में बिना वेरिफिकेशन बाहरी श्रमिकों को रखना सुरक्षा से खिलवाड़ है। पकड़े गए आरोपी पर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। सभी उद्योगों को अनिवार्य पुलिस वेरिफिकेशन के कड़े निर्देश दिए जा रहे हैं, लापरवाही पर सख्त एक्शन होगा।

जांच के बाद कार्रवाई होगी

कुछ उद्योगों में मजदूरों को ई एस आई सी की लाभ नहीं मिलने, बाल श्रम व श्रम शोषण की शिकायत आई है जांच करेंगे, शिकायत सही मिला तो होगी बड़ी कार्यवाही निश्चित होगी।

सुरक्षा मानकों की अनदेखी और जिमेदारो की खामोशी : इस औद्योगिक अराजकता और कानून विरोधी मानसिकता का शिकार हाल ही में कपसदा स्थित एक उद्योग में काम करने वाला ग्राम सड्डू निवासी एक युवा श्रमिक तोरण ध्रुव हुआ। कारखाने के भीतर सुरक्षा मानकों की अनदेखी के चलते हुए एक भीषण हादसे में इस गरीब युवक के दाएं हाथ की उंगली कटकर अलग हो गई। राज्य सरकार के कड़े नियमों के बावजूद इस उद्योग में मजदूरों का ईएसआईसी कार्ड तक नहीं बनाया गया था, जिसके चलते घायल युवक को कोई सामाजिक या स्वास्थ्य सुरक्षा नहीं मिल सकी। हद तो तब हो गई जब उद्योग प्रबंधन ने इस लहूलुहान श्रमिक का इलाज कराने या मुआवजा देने के बजाय, उसे 'ठेकेदार का आदमी' बताकर अपना पल्ला झाड़ लिया और महज एक खानापूर्ति के तहत इलाज करा कर घर पर बिठा दिया है। आज वह पीड़ित न्याय के लिए दर-दर की ठोकरें खा रहा है, लेकिन रसूखदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंग रही है।

खबर संक्षेप

धोबी समाज ने मेधावी छात्रों का किया सम्मान

मंदिर हसौद। छत्तीसगढ़ झेरिया धोबी समाज मंदिर हसौद परिक्षेत्र के सामाजिक पदाधिकारियों द्वारा समाज के 10 वीं एवं 12वीं में 2025 - 26 में 70% से अधिक अंक पाने वाले छात्र-छात्राओं को प्रशस्ति पत्र स्मृति चिन्ह एवं नगद राशि भेंट कर सम्मानित किया गया। जिसमें 10 छात्राओं एवं दो छात्र को सम्मानित किया गया। सम्मान समारोह में संरक्षक धरम लाल निर्मलकर अध्यक्ष ने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं की उज्जवल भविष्य का कामना करते हुए बधाई दिए और कहा कि समाज शिक्षा के क्षेत्र में छात्रों को प्रोत्साहित करने का काम करते रहेंगे जहां नीलू निर्मलकर उपाध्यक्ष टीकम निर्मलकर सचिन मुकेश निर्मलकर एवं सदस्य गण केजू रजक लक्ष्मण निर्मलकर अर्जुन निर्मलकर मनोज निर्मलकर बचपन निर्मलकर संजय निर्मलकर जीवराखन निर्मलकर संतराम निर्मलकर पुरुषोत्तम निर्मलकर दानी निर्मलकर राजीव निर्मलकर राव चरण निर्मलकर दिनेश निर्मलकर आदि सदस्य उपस्थित हुए।

किक्रेट स्पर्धा में खोरपा की हुई खिताबी जीत

अभनपुर। महाकाल 11 के संचालन में ग्राम खोरपा में आयोजित प्रथम खोरपा प्रीमियर लीग का समापन हुआ। प्रतियोगिता में लगभग 120 खिलाड़ियों ने भाग लिया। टूर्नामेंट में कुल 6 टीमों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला में एचबीके लेजेंड्स ने मोक्ष 11 को हरा कर प्रथम खोरपा प्रीमियर लीग के खिताब पर कब्जा जमाया। समापन अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि खोरपा चम्मन ध्रुव, सरपंच प्रतिनिधि गुलाब साहू,कमलेश साहू, पुरुषोत्तम साहू,स्पोर्ट्स ऑफिसर वीरेंद्र जांगड़े सहित अन्य अतिथियों ने विजेता टीम एवं उत्कृष्ट खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं नगद पुरस्कार के साथ सम्मानित किया। इस अवसर पर अश्वनी ध्रुवंशी, रणजीत साहू, लखन साहू,भोला धीवर,खेमराज साहू,अरुण धीवर,शुभम वर्मा,अरुण धीवर, कुणाल देवांगन, जितेश देवांगन, घनश्याम साहू, मनीष साहू, राज पटेल, विनायक धीवर,तुषार पटेल, नेहाल देवांगन, इन्द्र साहू, रोशन पटेल, सागर साहू सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

एसडीएम के आदेश के बाद पंचायत प्रतिनिधियों और सचिवों में हड़कंप मचा

शासकीय राशि के दुरुपयोग पर पांच पूर्व सरपंचों के खिलाफ वारंट जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

पंचायतों में विकास कार्यों के लिए आवंटित शासकीय राशि के दुरुपयोग के मामलों में प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। रायपुर जिले के आरंग अनुविभाग में वित्तीय अनियमितता और शासकीय धन की वसूली नहीं करने के मामले में पांच पूर्व सरपंचों के खिलाफ गिरफ्तारी और सिविल जेल भेजने का वारंट जारी किया गया है। इस कार्रवाई के बाद पंचायत प्रतिनिधियों और सचिवों में हड़कंप मच गया है।

- पूर्व सरपंचों से 17 लाख 98 हजार 700 रुपए है बकाया

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं विहित प्राधिकारी आरंग अभिलाषा पैकरा ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 की धारा 92(2) के तहत यह आदेश जारी किया है। इन पूर्व सरपंचों से कुल 17 लाख 98 हजार 700 रुपए की लोक राशि की वसूली की जानी है। राशि जमा नहीं करने की स्थिति में उन्हें अधिकतम 30 दिनों के लिए केंद्रीय जेल रायपुर भेजे जाने का निर्देश दिया गया है। न्यायालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार इन पूर्व सरपंचों से शासकीय राशि की वसूली की जानी है— खेलूराम साहू पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत बनरसी (आरंग) 6 लाख 76 हजार 700 रुपए, कुंती कुर्रे (पति बालकुमार कुर्रे) पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत अमेठी (आरंग) 4 लाख 42 हजार रुपए, धरमदास टंडन, पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत अकोलीखुर्द (आरंग) 3 लाख 20 हजार रुपए, दिनेश कोसरिया पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत गुमा (खरोरा) 2 लाख 82 हजार रुपए, दामिनी पूर्व सरपंच ग्राम पंचायत भंडारपुरी (खरोरा) – 80 हजार रुपए। जानकारी के अनुसार इन सभी मामलों में राजस्व न्यायालय द्वारा काफी पहले ही शासकीय एवं लोक राशि की वसूली के आदेश पारित किए जा चुके थे। इसके बाद विहित प्राधिकारी एवं एसडीएम आरंग ने संबंधित पूर्व सरपंचों को कारण बताओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने और सिविल जेल भेजे जाने से बचने का अवसर दिया था। हालांकि प्रशासनिक सूत्रों के मुताबिक किसी भी पूर्व सरपंच ने न तो संतोषजनक जवाब प्रस्तुत किया और न ही बकाया राशि सरकारी खजाने में जमा कराई। इसके बाद न्यायालय ने सख्त कदम उठाते हुए उनके खिलाफ सिविल जेल वारंट जारी कर दिया।

राशि जमा नहीं करने पर 30 दिनों की होगी जेल

राशि जमा करने पर होगी तत्काल रिहाई

एसडीएम एवं अनुविभागीय दंडाधिकारी आरंग अभिलाषा पैकरा ने आरंग और खरोरा थाना प्रभारियों को निर्देश दिया है कि संबंधित पूर्व सरपंचों को तत्काल अभिरक्षा में लेकर केंद्रीय जेल रायपुर भेजा जाए। वहीं केंद्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक को जारी आदेश में कहा गया है कि संबंधित व्यक्तियों को अधिकतम 30 दिनों तक अथवा बकाया राशि जमा होने तक सिविल जेल में निरुद्ध रखा जाए। यदि जेल अवधि के दौरान वे पूरी राशि नकद जमा कर देते हैं तो उन्हें तत्काल रिहा किया जा सकेगा। एक साथ पांच पूर्व सरपंचों के खिलाफ हुई इस कार्रवाई के बाद आरंग और खरोरा क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों तथा सचिवों में बेचैनी बढ़ गई है। माना जा रहा है कि जिन पंचायतों में वित्तीय अनियमितताओं की शिकायतें लंबित हैं, वहां भी जांच और कार्रवाई तेज हो सकती है। एसडीएम अभिलाषा पैकरा ने स्पष्ट कहा है कि शासकीय राशि जनता के विकास के लिए होती है। विकास कार्यों के लिए जारी धनराशि के गबन या दुरुपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने संकेत दिए हैं कि आने वाले दिनों में अन्य ग्राम पंचायतों के पूर्व और वर्तमान पदाधिकारियों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई की जा सकती है।

यूनिक नंबर पंजीकृत नहीं होने पर ई रिक्शा चालकों होगी कार्रवाई

तिल्दा-नेवरा। क्षेत्र में संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा वाहनों के सुव्यवस्थित संचालन और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के उद्देश्य से तिल्दा थाना परिसर में ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में बड़ी संख्या में चालक शामिल हुए, जिनके वाहनों के आवश्यक दस्तावेजों एवं भौतिक सत्यापन की प्रक्रिया भी की गई।
बैठक के दौरान चालकों को पुलिस द्वारा जारी किए जा रहे यूनिक नंबर पंजीयन अभियान की जानकारी देते हुए यातायात नियमों का पालन करने, शराब पीकर वाहन न चलाने तथा सभी आवश्यक दस्तावेज साथ रखने के निर्देश दिए गए।
टीआई रमाकांत तिवारी ने बताया कि पंजीयन अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में संचालित ऑटो एवं ई-रिक्शा वाहनों का संपूर्ण रिकॉर्ड तैयार करना है, ताकि वाहन मालिकों और चालकों की जानकारी पुलिस के पास उपलब्ध रहे तथा सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। थाना प्रभारी कहा कि कई बार यात्रियों का सामान वाहनों में छूट जाता है या किसी आपराधिक घटना में वाहन के उपयोग की आशंका रहती है। ऐसी स्थिति में पंजीयन डाटा के माध्यम से संबंधित वाहन और चालक तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा, जिससे आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी और वाहन चालकों को भी लाभ मिलेगा।
बैठक में सभी चालकों को अपना नाम, पता, मोबाइल नंबर, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन नंबर एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी देकर जल्द से जल्द पंजीयन कराने के निर्देश दिए गए। साथ ही यात्रियों के साथ अच्छा व्यवहार रखने, सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने और बिना वैध दस्तावेज वाहन संचालित नहीं करने की समझाइश दी गई।
थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया कि बिना पंजीयन और नियमों की अनदेखी कर वाहन चलाने वालों के विरुद्ध आगामी दिनों में मोटरयान अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। तिल्दा पुलिस ने सभी ऑटो एवं ई-रिक्शा चालकों से इस अभियान में सहयोग करने की अपील की है।बैठक में तिल्दा-नेवरा क्षेत्र के बड़ी संख्या में ऑटो चालक, ई-रिक्शा चालक एवं पुलिस विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

तनाव रहित जीवन का मूल मंत्र सिर्फ अनुशासित कार्यप्रणाली

धरसींवा। औद्योगिक क्षेत्र में काम के बढ़ते दबाव और आधुनिक जीवनशैली की चुनौतियों के बीच मानसिक संतुलन बनाए रखना आज की सबसे बड़ी जरूरत बन गया है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए मेसर्स शारडा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड द्वारा कंपनी के उच्च प्रबंधन अधिकारियों के लिए जिंदगी में तनाव रहित कैसे रहें विषय पर एक दिवसीय विशेष कार्यशाला का भव्य आयोजन किया गया। इस गरिमामयी कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संस्थान के शीर्ष अधिकारियों को तनाव प्रबंधन, मानसिक स्वास्थ्य और एक सकारात्मक जीवन शैली के प्रति जागरूक करना था, ताकि वे पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन में बेहतर तालमेल बिठा सकें।

कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में ब्रह्माकुमारी संस्थान के प्रख्यात कॉरपोरेट ट्रेनर एवं जाने-माने लाइफ कोच डॉ. ई. वी. स्वामीनाथन उपस्थित थे। उन्होंने अपने अत्यंत प्रेरणादायी और व्यावहारिक उद्बोधन से उपस्थित अधिकारियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। डॉ. स्वामीनाथन ने दैनिक जीवन के उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस तरह आधुनिक जीवन की आपाधापी और कार्यस्थल की चुनौतियों के बीच भी मानसिक शांति को कायम रखा जा सकता है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में ब्रह्माकुमारी संस्थान की वरिष्ठ योग साधिका बहन दीपा एवं बहन अदिति ने मोर्चा संभाला। उन्होंने ध्यान (मेडिटेशन), मानसिक स्वास्थ्य तथा एक अनुशासित व स्वस्थ जीवनशैली के अंतर्संबंधों पर अपने बहुमूल्य विचार साझा किए।

कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य वक्ता डॉ. स्वामीनाथन का औपचारिक परिचय मानव संसाधन विभाग के प्रमुख श्री विवेक चौधरी ने प्रस्तुत किया, जिन्होंने कॉरपोरेट जगत में मानसिक स्वास्थ्य की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। सत्र के समापन पर प्लांट हेड श्री मनोज शाह ने मुख्य वक्ताओं, अतिथियों एवं सभी सहभागी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

बस स्टैंड कॉम्प्लेक्स को यथावत रखने की मांग पर मंत्री को ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

बस स्टैंड कॉम्प्लेक्स को तोड़े जाने की चर्चाओं के बीच व्यापारियों ने इसके विरोध में मोर्चा खोल दिया है। व्यापारियों ने प्रदेश के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब को ज्ञापन सौंपकर कॉम्प्लेक्स को यथावत रखने तथा पास बैहार में प्रस्तावित नए बस स्टैंड का निर्माण शीघ्र प्रारंभ कराने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि वर्तमान बस स्टैंड कॉम्प्लेक्स मजबूत स्थिति में है तथा नवंबर 2025 में ही इसका 10 वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया है। ऐसे में नवीनीकरण के तुरंत बाद कॉम्प्लेक्स को तोड़ने की चर्चा समझ से परे है। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी स्थिति में वे अपनी दुकानें नहीं तोड़ने देंगे। आरंग व्यापारी संघ के अध्यक्ष सूरज शर्मा के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया है कि यदि परिषद द्वारा वर्तमान कॉम्प्लेक्स को हटाने का प्रयास किया जाता है तो व्यापारी अपने हितों की रक्षा के लिए आंदोलन करने को बाध्य होंगे। उन्होंने जनहित को ध्यान में रखते हुए बस स्टैंड कॉम्प्लेक्स को यथावत रखने की मांग की। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने व्यापारियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि किसी भी व्यापारी का अहित नहीं होने दिया जाएगा। व्यापारियों के हितों का पूरा ध्यान रखा जाएगा तथा नए स्थान पर बेहतर अवसर उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। व्यापारियों ने यह भी कहा कि आधुनिकता एवं शहरीकरण के चलते कई शहरों में नए बस स्टैंड शहर से बाहर विकसित किए जा रहे हैं, इसलिए पास बैहार में नए बस स्टैंड का निर्माण जल्द शुरू किया जाना चाहिए। ज्ञापन सौंपने वालों में सूरज शर्मा, शरद गुप्ता, संतोष चंद्राकर, दिनेश चंद., पन्नालाल देवांगन, दीपक देवांगन, अभिनेश अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, अविनाश आहूजा, संतोष साहू, आदित्य शुक्ला, पंकज शुक्ला, मनोज गुप्ता, प्रशांत गुप्ता सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

नपं कूंरा में विकास के लिए 131 लाख मंजूर

कूंरा। नगरपंचायत कुंवरगढ़ कूंरा के विभिन्न वार्डों में जनविसुधा अंतर्गत 130.95 लाख की स्वीकृति प्रदान अधोसंरचना मद के अंतर्गत शासन द्वारा किया गया है । इसके लिए छ ग शाशन के लोकनिर्माण मंत्री अरुण साव एवं क्षेत्रीय विधायक अनुज शर्मा की संवेदनशील पहल से 130 . 95 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है । जिसके लिए नगरपंचायत अध्यक्ष गोविंद साहू ने मंत्री अरुण साव जी एवं विधायक अनुज शर्मा को धन्यवाद ज्ञापित किया है । नगर में हो रहे विकास कार्यों का विवरण इस प्रकार है 1, छत्तीसगढ़ महतारी मूर्ति स्थापना कार्य , 2, वार्ड क्रमांक 06 चंडी मंदिर के पास पुलिया निर्माण कार्य , 3, वार्ड 04 रफीक ढाबा के पास यात्री प्रतीक्षालय निर्माण , 4, वार्ड 1 पानी टंकी के पास नहर पुलिया निर्माण , 5, वार्ड 10 दर्री तालाब में प्रतीक्षालय निर्माण , 6, वार्ड 13 बौखला तालाब में पचरी निर्माण 2 घाट , 7, शोभा होटल के पास यात्री प्रतीक्षालय , 8, चंडी मंदिर के पास यात्री प्रतीक्षालय , निर्माण , 9 , महफूज खान के खेत से नर्सरी तक सी सी रोड निर्माण कार्य , 10 , मेन रोड से लेकर मोहन प्रजापति के घर तक सी सी रोड निर्माण कार्य , 11, भारत माता चौंक मूर्ति स्थापना , 12, वार्ड 13 बसावन तालाब में महतारी घाट निर्माण , 13 , वार्ड 1 बूढ़ा तालाब में महतारी घाट निर्माण कार्य के लिए स्वीकृति प्रदान मिली है । यह कार्य होने से नगर के लोगो को काफी सुविधा मिलेगी जिससे ग्रामीणों ने काफी हर्ष व्यक्त किया है ।

स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा में सी सेक्शन सेवा से सफल प्रसव

धरसींवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र धरसींवा में 6 जून को सफलतापूर्वक सी-सेक्शन (**C-Section**) प्रसव कराया गया। विगत वर्ष सर्जन की अनुपलब्धता के कारण केंद्र में सी-सेक्शन प्रसव सेवाएं संचालित नहीं हो पा रही थीं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (**CMHO**) डॉ. मिथिलेश चौधरी के मार्गदर्शन एवं खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. विकास तिवारी के नेतृत्व में यह महत्वपूर्ण सेवा पुनः प्रारंभ की गई ग्राम तिवरैया में 28 वर्षीय अंजलि वर्मा एवं भुनेश्वरी निषाद ग्राम मुरेथी के 2 महिलाओं का सफलतापूर्वक सी-सेक्शन ऑपरेशन संपन्न कराया गया, जिससे क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं को अब स्थानीय स्तर पर सुरक्षित प्रसव सुविधा उपलब्ध हो सकेगी तथा उच्च संस्थानों में अनावश्यक रेफरल की आवश्यकता कम होगी।

मरम्मत में देरी से नाराज युवक ने पेट्रोल डालकर फूंकी कार और स्वयं झुलसा

आरंग। आरंग मे रविवार को दो महीने से गैरेज में खड़ी अपनी कार के ठीक नहीं होने से नाराज युवक ने गुस्से में आकर वाहन पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी। लेकिन आग लगाने के दौरान वह खुद भी उसकी चपेट में आ गया और गंभीर रूप से झुलस गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, आरंग ब्लॉक कॉलोनी वार्ड क्र 5 निवासी गालव सोनकर अपनी टाटा विस्टा कार में आई तकनीकी खराबी से लंबे समय से परेशान थे। कार को ठीक कराने के लिए उन्होंने करीब दो महीने पहले स्थानीय गैरेज में छोड़ा था। उन्हें उम्मीद थी कि कुछ दिनों में उनकी गाड़ी ठीक होकर वापस मिल जाएगी, लेकिन समय बीतता गया और वाहन जस का तस खड़ा रहा। बताया जा रहा है कि गालव सोनकर सीधे गैरेज पहुंचे। वहां खड़ी अपनी कार को देखकर उनका गुस्सा और बढ़ गया। कुछ देर तक गैरेज संचालक से बहस हुई। इसके बाद उन्होंने पेट्रोल की व्यवस्था की और अपनी ही कार पर छिड़क दिया। आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले उन्होंने आग लगा दी।आग लगते ही कार धू-धू कर जलने लगी। कुछ ही मिनटों में पूरा वाहन आग की लपटों से घिर गया। काले धुएं का गुबार दूर तक दिखाई देने लगा। घटना स्थल पर मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इसी दौरान आग की तेज लपटों ने गालव सोनकर को भी अपनी चपेट में ले लिया। देखते ही देखते उनका शरीर बुरी तरह झुलस गया।घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत दौड़कर आग बुझाने और घायल को बचाने का प्रयास किया। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक कार लगभग पूरी तरह जल चुकी थी। लोगों ने गंभीर रूप से घायल गालव को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज जारी है। उनकी हालत को लेकर डॉक्टर लगातार निगरानी रखे हुए हैंइस घटना के बाद पूरे आरंग क्षेत्र में चर्चा का माहौल है।

जीत पर समाज के लोगों में हर्ष की लहर

जिला साहू संघ के उपाध्यक्ष पोषण लाल का आतिशबाजी के साथ भव्य स्वागत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा-नेवरा

जिला साहू संघ रायपुर ग्रामीण वर्ष 2026 का निर्वाचन ग्राम रीवा (आरंग) में संपन्न हुआ, जिसमें लखौली के सरपंच हिरामन साहू जिला अध्यक्ष तथा तिल्दा के पोषण लाल साहू जिला उपाध्यक्ष निर्वाचित हुए। महिला उपाध्यक्ष पद पर नवापारा की धनमती साहू, संगठन सचिव पद पर धरसीवां-कूरा के योगेश कुमार साहू तथा महिला संगठन सचिव पद पर बिरगांव की सरस्वती साहू ने जीत दर्ज की।

निर्वाचन में तिल्दा, धरसीवां, बिरगांव, अभनपुर, आरंग सहित विभिन्न तहसीलों के कुल 243 मतदाताओं ने हिस्सा लिया। सभी मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक मतदान करते हुए शत-प्रतिशत मतदान का रिकॉर्ड बनाया।चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद प्रदेश साहू संघ के अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू एवं अभनपुर विधायक इंद्र कुमार साहू ने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दीं।

विशेष बात यह रही कि तिल्दा तहसील से पहली बार किसी समाजसेवी को सीधे जिला उपाध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पद की जिम्मेदारी मिली है। इस उपलब्धि से तिल्दा क्षेत्र के समाजजनों, युवाओं और महिलाओं में विशेष उत्साह देखने को मिला। जीत के बाद पोषण लाल साहू का तिल्दा आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। ढोल-नगाड़ों, आतिशबाजी और फूल-मालाओं के बीच समाज के लोगों ने उनका अभिनंदन किया। समर्थकों ने मिठाइयां बांटकर अपनी खुशी का इजहार किया और गगनभेदी नारों के साथ उनका स्वागत किया। नवनिर्वाचित जिला उपाध्यक्ष पोषण लाल साहू ने कहा कि यह सम्मान पूरे तिल्दा क्षेत्र और रायपुर ग्रामीण के स्वजातीय बंधुओं का है। उन्होंने समाज की एकता, शिक्षा, सामाजिक विकास और युवाओं के उत्थान के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।समाज के वरिष्ठजनों और पदाधिकारियों ने कहा कि तहसील अध्यक्ष के रूप में पोषण साहू द्वारा किए गए कार्यों का ही परिणाम है कि उन्हें जिला स्तर पर इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्होंने जिला अध्यक्ष हिरामन साहू सहित पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए समाज हित में बेहतर कार्य करने की अपेक्षा जताई।

इस अवसर पर तिल्दा तहसील अध्यक्ष मनीराम साहू, उपाध्यक्ष गिरेन्द्र साहू, बलदाऊ साहू, युवा अध्यक्ष योगेंद्र साहू, त्रिलोचन साहू, मनोहर साहू, मनोज साहू, ओमप्रकाश साहू, डॉ. लक्ष्मण साहू, डॉ. भोला साहू, मीरा साहू, गीता साहू, मुकेश साहू, सोनम साहू, रामेश्वर साहू, योगेश साहू, यशवंत साहू, मीडिया प्रभारी मोनेश साहू, गिरीश साहू, हीरालाल साहू, प्रफुल्ल साहू सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

MAA BHARTI VIDYALAYA
Maa Bharti Vidyalaya Gudhiyari, Raipur
(In Front of Laxmi Mahila Sahakari Bank)
Phone No.:- 0771-4907959, 98930-63267

TEACHER REQUIREMENT

S. No.	Name of Post	Subject	Salary	Timing
1	Pre-Primary and Primary Teacher	All Subjects	रू. 5,000 to रू. 12,000 (as per caliber)	7:30 AM to 1:00 PM
2	Higher Secondary Teacher	English, Science, (PCM) Biology, Accounts	रू. 8,000 to रू. 15,000 (as per caliber)	11:00 AM to 4:30 PM
3	Primary and Higher Secondary (Both Shift)		रू. 10,000 to रू. 20,000 (as per caliber)	7:30 AM to 4:30 PM
4	Computer operator	HINDI + ENGLISH TYPING + INTERNET WORK	रू. 8,000 to रू. 15,000 (as per caliber)	7:30 AM to 4:30 PM

PRINCIPAL REQUIREMENT
Qualification :- Master's Degree + B.Ed./M.Ed.
Time :- 7:30 AM to 4:30 PM
Salary :- 20,000 to 30,000 (as per caliber)
Experience :- 3+ Years

Note: Interested candidates may contact the school office on the above-mentioned phone numbers.

भाजपा का घर-घर चलो अभियान प्रारंभ, मंत्री, विधायक, सांसदों को लक्ष्य पूरा करने का फरमान

पीएम नरेंद्र मोदी के 12 साल पूरे होने पर कल हर विधानसभा में होगी मंदिरों में पूजा-अर्चना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

केंद्र में नरेंद्र मोदी सरकार के 12 साल पूरे होने पर भाजपा का घर-घर चलो अभियान सोमवार से प्रारंभ हो गया है। इसके लिए प्रदेश संगठन ने तय किया है कि प्रदेश के मंत्री, विधायक और सांसदों का 50-50 लोगों से मिलना जरूरी होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, प्रदेशाध्यक्ष किरण देव और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने विधायक और सांसदों की सोमवार को वर्चुअल बैठक लेकर तय लक्ष्य पूरा करने के लिए कहा है। इधर नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री के रूप में 10 जून को 12 साल पूरे होने पर प्रदेश की हर विधानसभा में मंदिरों में पूजा-अर्चना का कार्यक्रम रखा गया है। इसमें भी भाजपा के मंत्री, सांसद, विधायक और भाजपा नेताओं के साथ आम नागरिक भी शामिल होंगे। घर-घर चलो अभियान में प्रदेश के सभी घरों तक भाजपा नेताओं के पहुंचने का लक्ष्य रहेगा।

इसमें घरों तक पहुंचकर भाजपा नेता केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देंगे और जानने का प्रयास करेंगे कि इन योजनाओं का लाभ मिल रहा है नहीं मिल रहा है। किसी कारणवश किसी को किसी योजना का लाभ नहीं मिल रहा होगा तो उनको योजना का लाभ दिलाया जाएगा। इसी के साथ केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों के बारे में जनता को बताया जाएगा। इसके पीछे का एक बड़ा मकसद अगले साल और 2028 में होने वाले विधानसभा चुनाव भी है। इस अभियान में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपने विधानसभा क्षेत्र के साथ ही किसी भी क्षेत्र में किसी के घर में दस्तक देंगे। इसी तरह से प्रदेश के डिप्टी सीएम अरुण साव, विजय शर्मा सहित सभी मंत्री भी आम जनता के घरों तक जाएंगे और उनसे संवाद करेंगे।

किसके लिए कितना लक्ष्य

प्रदेश संगठन ने हर वर्ग के नेताओं के लिए तय किया है कि उनको कितने लोगों से मिलना जरूरी है। इसमें प्रदेश के मंत्री, विधायक और सांसदों के लिए 50-50 लोगों से मिलना जरूरी है। राष्ट्रीय और प्रदेश पदाधिकारी, जिला अध्यक्ष और अन्य जनप्रतिनिधियों के लिए 25-25 लोग, जिला पदाधिकारियों के लिए 15-15 और मंडल अध्यक्षों के लिए 10-10 लोगों से मिलना जरूरी है।प्रदेश के कई स्थानों पर सोमवार से अभियान का प्रारंभ हो गया है। सोमवार को बैठक के बाद अब विधायक, सांसद भी अपने-अपने क्षेत्र में इस अभियान में जुटेंगे।

खबर संक्षेप

लोकतंत्र सेनानी सम्मेलन के मुख्य वक्ता होंगे इंद्रेश कुमार

रायपुर। आपातकाल की 51वीं वर्षगांठ व संविधान हत्या दिवस 25 जून के अवसर पर प्रदेश के लोकतंत्र सेनानी व प्रहरियों का विशाल सम्मेलन 28 जून को मेडिकल कॉलेज स्थित पं. अटल बिहारी वाजपेई सभागृह में किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठतम प्रचारक व राष्ट्रीय मुस्लिम मंच के संस्थापक इंद्रेश कुमार होंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह करेंगे। लोकतंत्र सेनानी संघ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सच्चिदानंद उपासने ने बताया कि आपातकाल के 51वीं वर्षगांठ पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल व सहयोग से लोकतंत्र प्रहरी द्वारा विद्यालय महाविद्यालय स्तर पर आपातकाल विस्मृत न हो तथा 25 जून संविधान हत्या दिवस की प्रासंगिकता विषय पर छात्र-छात्राओं के लिए निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी, जिसमें विद्यालय स्तर पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय प्रतियोगियों को 31, 21 व 11 हजार रुपए, इसी प्रकार महाविद्यालय प्रतियोगियों को भी 31 हजार, 21 हजार व 11 हजार रुपए नकद पुरस्कार व शील्ड प्रदान किए जाएंगे। लोकतंत्र प्रहरी के प्रदेश अध्यक्ष विशाल राजहंस ने जानकारी दी कि 28 जून को अतिथियों के हाथों प्रहरी द्वारा प्रकाशित आपातकाल योद्धा स्मारिका का विमोचन किया जाएगा। श्री उपासने ने बताया कि अधिकतम अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रतीक चिन्ह से एवं समस्त भाग लेने वाले 520 छात्र-छात्राओं को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा।

'बेटा बचाओ आंदोलन' का राज्यव्यापी शुभारंभ 14 को

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के अध्यक्ष अमित जोगी के नेतृत्व में 'बेटा बचाओ आंदोलन' का राज्यव्यापी शुभारंभ 14 जून को अमलीडीह रायपुर ग्रामीण विधानसभा से होगा। अगले एक माह में यह आंदोलन छत्तीसगढ़ के सभी 5 संभागों में औपचारिक रूप से लांच किया जाएगा। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के मुख्य प्रवक्ता भगवानू नायक ने बताया, पार्टी अध्यक्ष श्री जोगी की अध्यक्षता में रविवार को जोगी निवास रायपुर में प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों से आए वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में 'बेटा बचाओ आंदोलन' की राज्यव्यापी लांचिंग की विस्तृत रूपरेखा तय की गई। श्री नायक ने बताया कि यह आंदोलन छत्तीसगढ़ के युवाओं को प्रभावित कर रहे बेरोजगारी, अवसाद, नशा और अपराध की जहरीली जंजीर को तोड़ने के लिए एक जनआंदोलन के रूप में शुरू किया जा रहा है। पार्टी अध्यक्ष श्री जोगी ने बैठक में कहा, बेरोजगारी... अवसाद... नशा... अपराध यह एक जहरीली जंजीर है। इस जंजीर की एक भी कड़ी तोड़ दी जाए तो हमारा बेटा और हमारा भविष्य बच सकता है। यह आंदोलन किसी पार्टी का नहीं, हर मां का है।

गर्मी के सीजन में कई ग्रामों में पानी की गंभीर समस्या के बाद भी तालाबों के निर्माण कार्य में देर

इस गर्मी भी 700 से ज्यादा तालाबों के गहरीकरण के कार्य पूर्ण नहीं, नए तालाबों के निर्माण में भी देर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 1723 तालाबों का गहरीकरण कार्य होना था, जिनमें से मार्च 2025 तक 646 तालाबों के गहरीकरण के कार्य पूर्ण हो पाए थे, वहीं शेष बचे 1077 तालाबों के गहरीकरण के कार्य मार्च 2026 तक पूर्ण किए जाने थे, लेकिन इनमें से अब तक 200 से 250 तालाबों का गहरीकण कार्य ही पूर्ण होना बताया जा रहा है, जबकि शेष 7 सौ से अधिक तालाबों के गहरीकरण कार्य लंबित हैं।

इधर जिन शेष ग्रामों में तालाबों के गहरीकरण के कार्य शुरू हो चुके हैं, या नहीं हो पाए हैं, उनमें से कई ग्रामों में गर्मी के सीजन में पानी की समस्या बनी हुई है। गहरीकरण करने के लिए कई तालाबों को खाली करा दिया गया है, जिससे उन ग्रामों में और अधिक पानी की समस्या बनी हुई है।

50 प्रतिशत कार्य भी पूर्ण नहीं

मिली जानकारी के अनुसार जिले में स्वीकृत किए गए 1077 तालाबों के गहरीकरण के कार्य मार्च 2026 तक पूर्ण होने थे। इन तालाबों के गहरीकरण की स्वीकृति वर्ष 2023 में हुई थी, लेकिन मनरेगा के तहत धीमी गति से कराए जा रहे कार्य के कारण स्वीकृत तालाबों में 50 प्रतिशत भी कार्य पूर्ण नहीं हो पाए हैं। इनमें कई तालाब अधूरे भी हैं। हालांकि विभागीय अधिकारियों कहना है कि तालाबों के गहरीकरण के कार्य अपूर्ण होने के कई कारण हैं। जैसे बारिश का सीजन शुरू होने पर काम का बंद होना, समर्थन मूल्य पर धान की खरीदी के कारण मजदूरों का काम पर नहीं आना जैसे अन्य कई कारण हैं।

233 नए तालाबों का होना है निर्माण, इनमें भी ज्यादातर लंबित

विभागीय आंकड़ों के अनुसार जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में वर्ष 2023 में लगभग 233 नए तालाबों के निर्माण की भी स्वीकृति मिली थी, लेकिन इन स्वीकृत तालाबों में वर्ष 2023 से लेकर वर्ष 2024 तक गिने-चुने नए तालाबों के ही निर्माण हो पाए थे। सूत्र के अनुसार वर्ष 2025 में भी बहुत कम नए तालाबों के निर्माण पूर्ण हो पाए हैं। यही कारण है कि 2 सौ से ज्यादा नए तालाब अब तक बन नहीं पाए हैं। बताया जा रहा है कि नए स्वीकृत तालाबों में कई तालाबों के निर्माण कार्य की शुरुआत ही नहीं हो पाई है।

पीक सीजन होने के बावजूद निर्माण कार्य धीमा

गर्मी के दिनों में मनरेगा कार्य का पीक सीजन होता है। इस सीजन में मनरेगा का कार्य करने सबसे अधिक मजदूर मिलते हैं। पिछले कई वर्षों का आंकड़ा बताता है कि गर्मी सीजन में कार्य करने वाले मजदूरों का आंकड़ा एक लाख के पार पहुंचता है। बताया जा रहा है कि इस वर्ष भी एक लाख का आंकड़ा पार हुआ है। इसके बाद भी तालाबों के गहरीकरण एवं नए तालाबों के निर्माण कार्य में तेजी नहीं आ पाई है।

जनवरी 2025 तक तालाबों के गहरीकरण की स्थिति

	स्वीकृत	पूर्ण	अपूर्ण
अभनपुर	313	270	152
आरंग	394	312	82
धरसींवा	208	137	70
तिल्दा	699	358	343

जिला अधिकारी जानकारी देने से बचते रहे

इस मामले में नए तालाबों के निर्माण एवं गहरीकरण संबंधित कार्य की चालू स्थिति में विस्तृत जानकारी के लिए मनरेगा विभाग की सहायक परियोजना अधिकारी रोशन तिवारी से कई बार मोबाइल पर संपर्क साधा, लेकिन उनके द्वारा कॉल रिसीव नहीं किया गया। इस तरह इस मामले में कुछ भी जानकारी देने से वह बचती रहीं।

सिलयारी गैंगरेप प्रकरण में कांग्रेस ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जिला कांग्रेस कमेटी ने सिलयारी क्षेत्र में नाबालिग बालिका के साथ हुई कथित गैंगरेप की घटना, पुलिस कार्रवाई में देर तथा प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस ने मांग की कि 18 अप्रैल से अब तक सिलयारी चौकी में पदस्थ सभी संबंधित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भूमिका की विभागीय जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

कांग्रेस भवन में एक पत्रकार वार्ता में रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष राजेंद्र पप्पू बंजारे ने कहा, 18 अप्रैल की घटना के बाद इस मामले में लीपापोती का लगातार प्रयास किया गया। उन्होंने बताया कि पूरे मामले में धरसींवा विधायक अनुज शर्मा की चुप्पी भी सवालों के घेरे में है। उन्होंने बताया कि नाबालिग बालिका के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म के मामले में पहले गुमशुदगी का प्रकरण दर्ज किए जाने और जांच में लापरवाही के आरोप लगे थे।

कांग्रेस के आंदोलन के दबाव में प्रशासन को दो आरोपियों की गिरफ्तारी और चौकी प्रभारी जितेंद्र दुबे का निलंबन करना पड़ा। पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष ऊधो राम वर्मा ने कहा, सिलयारी प्रकरण में जनता यह जानना चाहती है कि कार्रवाई में देर क्यों हुई और इसकी जिम्मेदारी किसकी है। पूरे घटनाक्रम की हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज से उच्चस्तरीय जांच आवश्यक है।

निष्पक्ष जांच कर करें कठोर कार्रवाई : अनिता

धरसीवा की पूर्व विधायक अनीता शर्मा ने कहा, महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होती है। यदि पीड़ित परिवार को न्याय के लिए आंदोलन और संघर्ष करना पड़े तो यह शासन-प्रशासन की संवेदनशीलता पर प्रश्नचिन्ह है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

गृहमंत्री को इस्तीफा देना चाहिए : गिरीश

छत्तीसगढ़ खनिज निगम के पूर्व अध्यक्ष गिरीश देवांगन ने कहा, कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी सीधे गृह विभाग की होती है। जब राजधानी से लगे क्षेत्र में इतनी गंभीर घटना को लेकर कार्रवाई में देरी पर सवाल उठ रहे हैं, इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। पूरे प्रकरण की नैतिक जिम्मेदारी गृह मंत्री विजय शर्मा पर बनती है। उन्हें नैतिक आधार पर इस्तीफा देना चाहिए।

असम की पीडीएस व्यवस्था का नान अध्यक्ष संजय ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने असम के गुवाहाटी जिले का दौरा कर वहां संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली का विस्तृत अध्ययन एवं निरीक्षण किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होंने गुवाहाटी स्थित दो उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण कर खाद्यान्न वितरण व्यवस्था, हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं तथा दुकानों के संचालन संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी प्राप्त की।

श्री श्रीवास्तव ने गुवाहाटी स्थित खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के मुख्यालय का भी भ्रमण किया। इस दौरान विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक कर प्रदेश में संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, खाद्यान्न भंडारण, परिवहन, वितरण तंत्र, डिजिटल निगरानी व्यवस्था तथा उपभोक्ता हितों से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की। अधिकारियों ने उन्हें असम की पीडीएस प्रणाली की कार्यप्रणाली, तकनीकी नवाचारों एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए अपनाए जा रहे उपायों की जानकारी दी। संजय श्रीवास्तव ने कहा, असम में संचालित सार्वजनिक वितरण प्रणाली का उन्होंने बारीकी से अध्ययन किया है।

कैबिनेट आज, खरीफ की समीक्षा और तबादला नीति पर हो सकता है फैसला

मंत्रालय में सुबह 11 बजे होगी बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार की कैबिनेट की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में बुलाई गई है। सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर इस बैठक पर प्रदेशभर की निगाहें टिकी हुई हैं। सरकार ट्रांसफर पॉलिसी पर फैसला ले सकती है। साथ ही प्रदेश में खाद की उपलब्धता और वैकल्पिक उपायों को लेकर किए जा रहे प्रयासों की समीक्षा की जाएगी। बैठक में कई अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर निर्णय लिए जाएंगे। मंगलवार को सुबह 11 बजे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में होने वाली कैबिनेट की बैठक में नई तबादला नीति पर भी चर्चा होने की संभावना है। प्रदेश के विभिन्न विभागों में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी लंबे समय से तबादला नीति का इंतजार कर रहे हैं। शासकीय कर्मचारियों के तबादलों पर से प्रतिबंध हटाने पर चर्चा कर निर्णय लिए जा सकते हैं। ऐसे में यह फैसला प्रशासनिक दृष्टि से काफी अहम माना जा रहा है।

खरीफ और मानसून पूर्व तैयारियों की समीक्षा

कैबिनेट की बैठक में खरीफ की तैयारियां को लेकर कृषि विभाग की समीक्षा होगी, इसमें उर्वरक उपलब्धता, बीज वितरण, नैनो यूरिया/डीएपी के भंडारण और वितरण की स्थिति पर चर्चा हो सकती है। मानसून पूर्व तैयारियों को लेकर जल संसाधन, सिंचाई, बिजली और आपदा प्रबंधन से जुड़े प्रस्ताव पर चर्चा कर निर्णय लिए जाएंगे।

सीएम हेल्पलाइन पर भी चर्चा

साथ ही कैबिनेट में मुख्यमंत्री हेल्पलाइन का संचालन ढांचा और विभागवार जवाबदेही तय की जाएगी। 9 जून को ही सेवा के शुभारंभ की तैयारी है। नई विकास परियोजनाएं और वित्तीय स्वीकृति, विशेषकर सड़क, पुल, शहरी विकास और ग्रामीण अधोसंरचना से जुड़े मामलों पर निर्णय हो सकता है। जनकल्याणकारी योजनाओं की समीक्षा तथा कुछ नई घोषणाओं पर विचार किया जा सकता है।

नीति आयोग गवर्निंग कांउसिल की बैठक में छत्तीसगढ़ के लिए विशेष पैकेज की होगी मांग

सीएम साय होंगे शामिल, दिल्ली में 10-11 जून को होगी अहम बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय दिल्ली में एनडीएम मुख्यमंत्रियों की बैठक और नीति आयोग की बैठक में शामिल होंगे। 10 और 11 जून को होने वाली नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। मुख्य फोकस मानव संसाधन विकास, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और प्रशासन में एआई के उपयोग पर रहने की संभावना है।

छत्तीसगढ़ पहले भी कौशल-आधारित शिक्षा, एआई, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण और युवाओं के लिए मानव संसाधन विकास पर जोर देता रहा है। इसीलिए राज्य अतिरिक्त केंद्रीय सहायता, स्किल हब और उद्योग-आधारित प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मांग कर सकता है। बताया गया है कि बस्तर और अन्य आदिवासी क्षेत्रों में सड़क, मोबाइल कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य, शिक्षा तथा सरकारी सेवाओं की पहुंच बढ़ाने पर विशेष प्रस्ताव आ सकते हैं। हाल में सुरक्षा शिविरों को 'सेवा केंद्र' के रूप में विकसित करने का विचार भी सामने आया है, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों में शासन की पहुंच बढ़े।

नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के लिए विशेष पैकेज

राज्य सरकार का लक्ष्य नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तेज विकास और बुनियादी ढांचा विस्तार है। इसलिए सड़क, दूरसंचार, शिक्षा संस्थान, स्वास्थ्य सुविधाएं और रोजगार योजनाओं के लिए विशेष केंद्रीय पैकेज की मांग करेंगे। आदिवासी क्षेत्रों के विकास को लेकर इनमें बस्तर और सरगुजा के लिए विशेष विकास पैकेज का प्रस्ताव देंगे।

औद्योगिक निवेश और नई अर्थव्यवस्था

छत्तीसगढ़ अपनी अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ाने और जीएसडीपी को तेजी से विस्तार देने का लक्ष्य रख रहा है। राज्य एआई, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, फार्मा, डेटा सेंटर, ग्रीन एनर्जी और खनिज-आधारित उद्योगों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं पर केंद्र का सहयोग की मांग कर सकता है।

कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था

सिंचाई परियोजनाओं के लिए अधिक केंद्रीय सहायता, वैल्यू एडिशन और फूड प्रोसेसिंग, लघु वनोपज आधारित अर्थव्यवस्था ग्रामीण गैर-कृषि रोजगार, कृषि में नई तकनीक और डिजिटल सेवाओं का विस्तार पर भी चर्चा हो सकती है।

छत्तीसगढ़ की ओर से संभावित प्रमुख प्रस्ताव

राज्य सरकार की प्राथमिकताओं और पिछले नीति आयोग बैठकों में उठाए गए मुद्दों को देखते हुए मुख्यमंत्री साय निम्न विषयों को प्रमुखता से रख सकते हैं। कोयला, स्टील और ऊर्जा क्षेत्र में निवेश विस्तार पर चर्चा की जाएगी। साथ ही 'विकसित छत्तीसगढ़ 2047' विजन के लिए केंद्र से सहयोग की मांग की जा सकती है।

महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही : बैज

12 सालों में मोदी सरकार फेल, भाजपा की हर गारंटी कोरी लफ्फाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

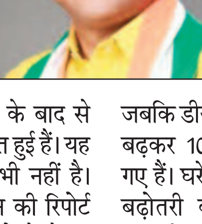

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा, मोदी सरकार ने 12 सालो में एक भी वादा पूरा नहीं किया। भाजपा की हर गारंटी फेल, झूठी वादाखिलाफी और कोरी लफ्फाजी ही मोदी की गारंटी है। भाजपा ने 2014 के घोषणापत्र में 25 करोड़ नौकरियां निर्मित करने का वादा किया था।

केंद्र सरकार ने माना कि 2014 के बाद से केवल 1.2 करोड़ नौकरियां निर्मित हुई हैं। यह मूल गारंटी का बीसवां हिस्सा भी नहीं है। इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार देश में कुल बेरोजगारों में से 83 प्रतिशत बेरोजगार युवा हैं। उन्होंने कहा, मोदी सरकार जब से सत्ता में आई है, महंगाई से देश के नागरिकों की कमर टूटती जा रही है। मोदी सरकार ने महंगाई से जूझ रही जनता एवं मंदी की मार झेल रहे व्यावसायिक संस्थानों, उद्योगों पर कुठाराघात किया है। 2014 में जो गैस का सिलेंडर 410 रुपये का था, आज वह 1017 रुपए के पार है, वह भी मिल नहीं रहा। पेट्रोल के दाम 70 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 108 रुपए प्रति लीटर के पार हो गए हैं, जबकि डीजल के दाम 55 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 101 रुपए प्रति लीटर के करीब पहुंच गए हैं। घरेलू कमर्शियल सिलेंडर के दाम में बढ़ोतरी कर दी है। बीते पांच माह में कमर्शियल सिलेंडर के दाम में 1510 रुपए की वृद्धि हुई है।

किसानों की आय दोगुनी का था वादा

मोदी ने कहा था किसानों की आय दोगुनी होगी। इसको प्राप्त करने के लिए 2015 से किसानों की आय में साल-दर-साल 10 प्रतिशत की वृद्धि की आवश्यकता थी। वास्तविक वृद्धि 3.5 प्रतिशत ही रही है। इस गति से गारंटी 2035 में ही पूरी हो सकेगी। एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार, हर दिन 30 किसान आत्महत्या करते हैं। मोदी सरकार की नोटबंदी योजना नासूर साबित हुई। काले धन की वापसी, जालसाजी पर अंकुश, आतंकवाद पर लगाम, भ्रष्टाचार का अंत-सभी गारंटी फेल। बंद हुई 99 प्रतिशत करेंसी सिस्टम में लौट आई है। नोटबंदी आर्थिक-आतंकवाद से कम न थी। मोदी राज की प्रमुख योजना आयुष्मान भारत ने दम तोड़ दिया।

राज्य की कानून व्यवस्था की मुख्यमंत्री तत्काल समीक्षा करें

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा, राजधानी में लगातार लूट और चाकूबाजी की घटना हो रही है। प्रदेशभर में हो रहे अपराध से राज्य का आम आदमी डरा सहमा है।

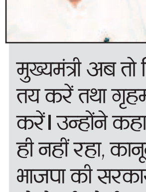

राज्य की कानून व्यवस्था पर तथा अनियंत्रित अपराधों को लेकर मुख्यमंत्री तत्काल समीक्षा बैठक बुलाएं। रायपुर में पुलिस कमिश्नरी प्रणाली लागू करने का प्रयोग करके सरकार देख चुकी है, कमिश्नरी प्रणाली फेल हो चुकी है। मुख्यमंत्री अब तो बिगड़ती कानून व्यवस्था की जवाबदेही तय करें तथा गृहमंत्री को बर्खास्त करने की कार्रवाई करें। उन्होंने कहा, प्रदेश में अपराधों का सिलसिला थम ही नहीं रहा, कानून व्यवस्था फेल हो चुकी है। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद 1 दर्जन से अधिक लोगों की गोली मार कर हत्या हुई।

मेधावी छात्रा को दो लाख की सहायता : रायपुर। उत्तर बस्तर कांकेर जिले की मेधावी छात्रा महेश्वरी कोर्राम को कक्षा 12वीं की बोर्ड परीक्षा में 96.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर माध्यमिक शिक्षा मंडल की टॉप-10 सूची में दसवां स्थान हासिल करने पर राज्य शासन की ओर से विशेष प्रोत्साहन दिया गया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रायपुर में आयोजित कार्यक्रम में छात्रा को मुख्यमंत्री नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना के अंतर्गत 1 लाख रुपए तथा दोपहिया वाहन (स्कूटी) अनुदान के लिए 1 लाख रुपए की सहायता राशि प्रदान की।

MAA BHARTI VIDYALAYA
Maa Bharti Vidyalaya Gudhiyari, Raipur
(In Front of Laxmi Mahila Sahakari Bank)
Phone No.:- 0771-4907959, 98930-63267

TEACHER REQUIREMENT

S. No.	Name of Post	Subject	Salary	Timing
1	Pre-Primary and Primary Teacher	All Subjects	रू. 5,000 to रू. 12,000 (as per caliber)	7:30 AM to 1:00 PM
2	Higher Secondary Teacher	English, Science, (PCM) Biology, Accounts	रू. 8,000 to रू. 15,000 (as per caliber)	11:00 AM to 4:30 PM
3	Primary and Higher Secondary (Both Shift)		रू. 10,000 to रू. 20,000 (as per caliber)	7:30 AM to 4:30 PM
4	Computer operator	HINDI + ENGLISH TYPING + INTERNET WORK	रू. 8,000 to रू. 15,000 (as per caliber)	7:30 AM to 4:30 PM

PRINCIPAL REQUIREMENT
Qualification :- Master's Degree + B.Ed./M.Ed.
Time :- 7:30 AM to 4:30 PM
Salary :- 20,000 to 30,000 (as per caliber)
Experience :- 3+ Years

Note: Interested candidates may contact the school office on the above-mentioned phone numbers.

खबर संक्षेप

बीरगांव निगम में स्वच्छता को लेकर विशेष सामान्य सभा का आयोजन

रायपुर। नगर पालिक निगम बीरगांव में सोमवार को विशेष सामान्य सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की (एस डब्लू एम) नियम ठोस अपशिष्ट प्रबंधन 2026 के संबंध में स्वास्थ्य अधिकारी कमल नारायण जंघेल द्वारा विस्तृत जानकारी दी गई एवं जनप्रतिनिधियों की विशेष भूमिका के संबंध में जानकारी दी गई एवं अपने अपने वार्डो में कार्यान्वयन करने हेतु अपील की गई, साथ ही सामान्य सभा के दौरान उक्त विषय पर परिचर्चा की गई जिसमे सर्वसहमति से अपने अपने वार्डो में एस डब्लू एम नियम 2026 4 बिन , 4 स्ट्रीट सेग्रीगेशन, जन जागरूकता अभियान, कचरा मुक्त वार्ड बनाने जनप्रतिनिधि एवं निगम के अधिकारियों ने शपथ लेने के साथ प्रस्ताव को पारित किया गया 1 एवं ज़ीरो वेस्ट इवेंट किया गया। उक्त कार्यक्रम में नगर पालिक निगम बीरगांव के महापौर नंद लाल देवांगन, सभापति कृपाराम निषाद, आयुक्त नगर पालिक निगम बीरगांव युगल किशोर उर्वासा नेताप्रतिपक्ष ओम प्रकाश साहू, एम आई सी मेंबर इकराम अहमद, उबारना दास बंजारे, संतोष साहू एवं पार्षदगण, निगम के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

निधन

इंदिरा पिल्लई

रायपुर। एमआईजी 40 टाटीबंध निवासी इंदिरा पिल्लई का 8 जून को निधन हो गया।

उनकी अंतिम यात्रा 9 जून को सुबह 11 बजे उनके निवास स्थान से कोटा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे स्व. पीआरए पिल्लई की पत्नी और सुरेश पिल्लई की माता थीं।

सुशील पगारिया

रायपुर। रायपुर निवासी सुशील पगारिया का 8 जून को निधन हो गया।

वे स्व. मांगीलाल पगारिया व उगामदेवी पगारिया के पुत्र और श्रेयांश पगारिया, श्रेया-सौरभ गोलछा के पिता एवं सिद्धराज पगारिया, गजराज पगारिया के भाई थे।

स्कैन कॉपी प्राप्त करने जिन्होंने नहीं दिए आवेदन, वे पुनर्मूल्यांकन के लिए पात्र नहीं

सीबीएसई कक्षा 12वीं की पुनर्मूल्यांकन और सत्यापन प्रक्रिया के दौरान कई छात्रों को पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज पोर्टल पर रोल नंबर दिखाई नहीं देने की शिकायत सामने आई है। इसे लेकर छात्रों और अभिभावकों के बीच भ्रम की स्थिति बन गई। अब केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने इस मामले पर स्पष्टीकरण जारी करते हुए बताया है कि आखिर यह एरर क्यों दिखाई दे रहा है और किन छात्रों को इससे प्रभावित होना पड़ रहा है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सीबीएसई ने सोमवार को जारी बयान में कहा कि रोल नंबर नहीं मिलने संबंधित संदेश किसी तकनीकी खराबी की वजह से नहीं दिख रहा है। बोर्ड के अनुसार यह संदेश केवल उन उम्मीदवारों को दिखाई देता है, जिन्होंने पोस्ट-रिजल्ट सर्विसेज की पहली प्रक्रिया यानी उत्तर पुस्तिका की स्कैन कॉपी प्राप्त करने के लिए आवेदन नहीं किया था। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि पुनर्मूल्यांकन और उत्तरों में दर्ज त्रुटियों के सत्यापन के लिए केवल वही छात्र पात्र थे जिन्होंने पहले चरण में अपनी स्कैन की गई उत्तर पुस्तिकाएं प्राप्त करने के लिए आवेदन किया था। ऐसे में जिन छात्रों ने पहले चरण में आवेदन नहीं किया, वे अगले चरण की सेवाओं का लाभ नहीं ले सकते थे और उन्हें पोर्टल पर रोल नंबर नहीं मिलने संबंधित संदेश दिखाई दे सकता है।

1.6 लाख छात्रों ने किया पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन

2 से 7 जून तक मांगे गए थे 12वीं कक्षा के लिए आवेदन

7 जून तक खुली थी विंडो

सीबीएसई ने बताया कि कक्षा 12वीं के सत्यापन और पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन प्रक्रिया 2 जून से 7 जून 2026 तक संचालित की गई थी। इस दौरान पोर्टल पूरी तरह कार्यरत रहा और किसी भी प्रकार की तकनीकी बाधा नहीं आई। बोर्ड के मुताबिक पूरी प्रक्रिया सरकारी तकनीकी एजेंसियों और आईआईटी की विशेषज्ञ टीमों की निगरानी में संचालित की गई। आवेदन अवधि के दौरान साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों ने भी पोर्टल पर लगातार नजर रखी ताकि किसी भी प्रकार के साइबर हमले या दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को रोका जा सके।

1.6 लाख से अधिक आवेदन

सीबीएसई द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पोस्ट-रिजल्ट सेवाओं के तहत 1.6 लाख से अधिक छात्रों ने सफलतापूर्वक पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन किया। इन आवेदनों के माध्यम से 3.8 लाख से अधिक उत्तर पुस्तिकाओं के पुनर्मूल्यांकन का अनुरोध किया गया। पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने वाले छात्रों की संख्या 1.6 लाख से अधिक है। जबकि पुनर्मूल्यांकन के लिए मांगी गई उत्तर पुस्तिकाएं 3.8 लाख से अधिक हैं। सीबीएसई का कहना है कि आवेदन प्रक्रिया के दौरान छात्रों की सहायता के लिए हेल्पडेस्क और शिकायत निवारण प्रणाली लगातार सक्रिय रही। आवेदन से जुड़ी समस्याओं और सवालों का समाधान करने के लिए विशेष टीमें भी तैनात की गई थीं।

रात होने के बाद कुछ देर बारिश, तेज हवा भी चली

उमस भरी गर्मी के बीच दोपहर-शाम हल्की बारिश, राहत नहीं परेशानी बढ़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिनभर उमस भरी गर्मी के बीच राजधानी में दो दौर में हल्की बारिश ने राहत के बजाए परेशानी बढ़ा दी। चौबीस घंटे में राज्य के मौसम में बढ़ा बदलाव नहीं हुआ। सोमवार को राज्य का अधिकतम तापमान राजनांदगांव का 43 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया और रायपुर का पारा 42 डिग्री रहा है। गौर करने वाली बात यह रही कि पिछले चौबीस घंटे राज्य के किसी भी हिस्से में बारिश दर्ज नहीं हुआ। दक्षिण-पश्चिम मानसून अपनी निश्चित गति से आगे बढ़ रहा है और उसके छत्तीसगढ़ सीमा में अपनी सामान्य तिथि से पहले प्रवेश करने की पूरी संभावना है। जानकारों का कहना है कि प्रदेश में मानसून आगमन के लक्षण बनने लगे हैं क्योंकि यहां वातावरण में पर्याप्त मात्रा में नमी मौजूद है जिसके अनुभव से मानव स्वभाव में चिड़चिड़ाहट जैसी प्रवृति बन रही है। सोमवार को सुबह के मौसम में किसी तरह का बदलाव नहीं हुआ और चिपचिपाहट भरी गर्मी से बेचैनी महसूस होती रही। दोपहर होने के बाद शहर के मौसम में थोड़ा बदलाव हुआ और कुछ एक हिस्से में दस से पंद्रह मिनट तक बारिश हुई। थोड़ी बारिश के बाद बादल हवा की गति अधिक होने से छंट गए। रात होने के बाद मौसम के मिजाज में थोड़ा बदलाव हुआ और बादल थोड़े गरजने के बाद कुछ देर तक बरसते भी रहे। रात हुई इस बारिश से मौसम में थोड़ी ठंडकता भी आ गई। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि शहर के मौसम में बड़ा बदलाव होने की संभावना दो-तीन दिन नहीं है। इसके बाद यहां भी बारिश की गतिविधि बढ़ सकती है।

प्रदेश में मानसून आगमन के लक्षण बनने लगे

रायपुर 42, राजनांदगांव का 43 डिग्री पारा रहा

मौसम में नहीं हुआ बदलाव

रायपुर	42.0
बिलासपुर	42.6
पेंड्रा	38.8
अंबिकापुर	39.9
जगदलपुर	36.9
दुर्ग	40.8
राजनांदगांव	43.5

हत्या की आशंका, शरीर में बाइट के निशान मिलने से मामला उलझा

खार में युवक की संदिग्ध परिस्थिति में मिली लाश, अब तक शिनाख्त नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

विधानसभा थाना क्षेत्र के टेकारी गांव के एक खार में सोमवार को एक युवक की संदिग्ध अवस्था में लाश मिली है। मृतक की अब तक शिनाख्त नहीं हो पाई है। लाश दो से तीन दिन पुरानी है। मौके पर पहुंची फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम जांच में जुटी हुई है। बताया जा रहा है, मृतक के शरीर में बाइट का निशान मिला है। इससे युवक की मौत किसी जहरीला कीड़ा के काटे जाने से होने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों ने युवक की हत्या कर लाश खार में फेंके जाने की आशंका जताई है। विधानसभा पुलिस के अनुसार सोमवार दोपहर ग्रामीणों के माध्यम से खार में शव पड़े होने की सूचना मिली। सूचना मिलने पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को घेराबंदी कर जांच शुरू की। पुलिस अफसरों के अनुसार, मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। शव की स्थिति को देखते हुए उसके दो से तीन दिन पहले मौत होने की आशंका व्यक्त की जा रही है। हालांकि मौत किन परिस्थितियों में हुई और इसके पीछे कोई आपराधिक कारण है या नहीं, इसका खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। घटना स्थल के पास पुलिस को एक प्लास्टिक का डिस्पोजल मिला है।

विधानसभा थाना क्षेत्र के टेकारी गांव की घटना

घूमंतु प्रवृत्ति का लग रहा

विधानसभा सीएसपी विरेंद्र चतुर्वेदी के अनुसार खार में मिले अज्ञात व्यक्ति की शिनाख्ती की कोशिश की जा रही है। मौत के कारणों की हर एंगल से जांच की जा रही है। युवक के शरीर पर डंक मारने का निशान मिला है। घटना स्थल पर एक खाली डिस्पोजल ग्लास मिला है। आशंका है युवक की मौत किसी जहरीला कीड़ा काटने से हुई होगी। मौत के असल कारणों की जानकारी पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही होगी। पुलिस अफसर के अनुसार मृतक घूमंतु प्रवृत्ति का लग रहा है।

अकबर की चुनाव याचिका का जिक्र, मद्रास हाईकोर्ट ने चुनावी न्याय में देर पर उठाए सवाल

कोर्ट ने कहा- वर्षों तक फैसले लंबित रहना चिंता का विषय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री मोहम्मद अकबर की चुनाव याचिका एक बार फिर चर्चा में है। इस बार इसकी वजह स्वयं मामला नहीं, बल्कि चुनावी मामलों के निपटारे में हो रही देर पर मद्रास हाईकोर्ट की टिप्पणी है।

मद्रास हाईकोर्ट ने एक चुनाव याचिका की सुनवाई के दौरान कहा, चुनाव संबंधी मामलों में वर्षों तक फैसले लंबित रहना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए चिंता का विषय है। अदालत ने इस संदर्भ में मोहम्मद अकबर की उस याचिका का उल्लेख किया, जिसकी सुनवाई और अंतिम निर्णय में लंबा समय लगा। अदालत ने कहा, जब चुनावी विवादों पर फैसला आने तक संबंधित विधानसभा या लोकसभा का कार्यकाल ही समाप्त हो जाए, तो न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य काफी हद तक प्रभावित हो सकता है। न्यायालय के अनुसार ऐसी स्थिति में मतदाताओं और उम्मीदवारों, दोनों के लिए समय पर न्याय सुनिश्चित करना चुनौती बन जाता है। मोहम्मद अकबर ने अपने चुनाव को लेकर कानूनी चुनौती दी थी। हालांकि, मामला लंबे समय तक न्यायिक प्रक्रिया में रहा। मद्रास हाईकोर्ट ने इसी तरह के मामलों का हवाला देते हुए कहा, चुनाव याचिकाओं का निपटारा कानून में निर्धारित समयसीमा के अनुरूप होना चाहिए। अदालत की टिप्पणी ऐसे समय आई है, जब देश में चुनावी सुधारों और न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी लाने को लेकर बहस जारी है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि मोहम्मद अकबर जैसे मामलों का उल्लेख यह दर्शाता है कि चुनावी न्याय में देर केवल किसी एक उम्मीदवार का मुद्दा नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था से जुड़ा व्यापक प्रश्न है।

बिजनेस साइट

रायपुर में सजा भव्य फन वर्ल्ड फेयर, लंदन थीम गेट और सेल्फी टॉवर बने आकर्षण का केंद्र

रायपुर। राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित फन वर्ल्ड फेयर डिज्नीलैंड मेले ने इस बार अपने भव्य स्वरूप और नए आकर्षणों से शहरवासियों का ध्यान खींच लिया है। मनोरंजन, खरीदारी और स्वादिष्ट व्यंजनों के अनूठे संगम के साथ यह मेला हर आयु वर्ग के लोगों के लिए खास अनुभव लेकर आया है। मेले का प्रमुख आकर्षण अत्याधुनिक सेल्फी टॉवर झूला है, जो तेज गति से ऊपर-नीचे संचालित होकर रोमांच का अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। इस झूले पर सवार होकर लोग ऊंचाई से सेल्फी, रील और वीडियो बनाने का आनंद भी ले सकते हैं। इसके अलावा डिश के आकार का क्रॉस व्हील तथा रोमांच से भरपूर ऑक्टोपस झूला भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं। इस वर्ष मेले की भव्यता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के लिए लगभग 300 फीट चौड़ा लंदन थीम आधारित प्रवेश द्वार तैयार किया है। मनोरंजन के साथ-साथ मेले में हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट और कंज्यूमर एक्सपो का भी आयोजन किया गया है। आयोजन के संचालक तमन्ना हुसैन ने बताया कि मनोरंजन उद्योग में तीन दशक से अधिक के अनुभव के आधार पर उनका प्रयास हर वर्ष नए और आकर्षक आयोजन प्रस्तुत करना है।

पेज 09 के शेष

अधूरे स्कॉईवॉक को पूरा...

लेकिन सूत्र के अनुसार किसी कारण से विभाग ने वर्क ऑर्डर तब तक जारी नहीं किया, जब तक कंपनी ने कार्य प्रारंभ कराना शुरू नहीं किया। टेंडर के करीब दो महीने के बाद कंपनी ने कार्य प्रारंभ किया। इसके बाद भी कंपनी दिए हुए टेंडर समय-सीमा में कार्य पूर्ण करा नहीं पायी है। यह कार्य अप्रैल 2026 तक खत्म हो जाना था, लेकिन कंपनी की लापरवाही और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों के अनदेखी के कारण अब तक 50 प्रतिशत भी काम पूर्ण नहीं हो पाया है।

42 पानी टंकियों में 11...

एमएलडी पुराना और नया 80 एमएलडी के साथ ही 150 एमएलडी प्लांट बंद रहेगा। इसके कारण इन प्लांट से भरने वाली 42 पानी टंकियों में सुबह के समय नियमित जल आपूर्ति के बाद शाम के समय जल प्रदान नहीं होगा। जिन पानी टंकियों में 11 जून की शाम जल प्रदाय नहीं होगा, उनमें डगनिया, ईदगाहभाठा, गंज, गुढ़ियारी, न्यू राजेंद्रनगर, श्यामनगर, तेलीबांधा, शंकरनगर, खमतराई,भनपुरी, भाठागांव, चंगोराभाठा, कुशालपुर, डीडीनगर, सरोना पानी टंकी, टाटीबंध, कोटा, कबीरनगर, जरवाय, गोगांव, मठपुरैना, लालपुर, अमलीडीह, अवंतिविहार, मंडी, मोवा, सड्डू , दलदल सिवनी, आमासिवनी, रामनगर, कचना, देवपुरी, मोतीबाग, बोरियाखुर्द, जोरा, रायपुरा, कुकरबेड़ा, बैरनबाजार नई पानी टंकी, देवेंद्र नगर नई पानी टंकी, संजय नगर पानी टंकी शामिल है। इसके अलावा शहर में स्थित अन्य जलागार, पावर पंपों से जल प्रदाय यथावत रहेगा।

रविवि ने की परीक्षा...

रविवि ने ना केवल परीक्षा शुल्क बल्कि अंकसूची सत्यापन शुल्क तथा अन्य शैक्षणिक शुल्कों में भी भारी वृद्धि की है। छात्रों ने इस बढ़ोत्तरी पर विरोध जताते हुए कहा, शासकीय विश्वविद्यालय का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को सुलभ, गुणवत्तापूर्ण एवं किफायती शिक्षा उपलब्ध कराना होता है, किंतु विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा हाल ही में लिए गए निर्णय छात्रों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ डालने वाले तथा शिक्षा के बढ़ते व्यापारीकरण को बढ़ावा देने वाले हैं।

गलती विवि की, लेकिन...

प्रदर्शन के दौरान प्रदेश सह मंत्री प्रथम फूटाने, महानगर सह मंत्री आशीष, मन, शीतल,सुनाए, संकल्प, निखिल ,भागीरथी एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

1085 की जगह देने...

5 प्रतिशत शुल्क वृद्धि का प्रावधान लागू करना यह दर्शाता है कि विवि प्रशासन छात्रों के हितों की अपेक्षा राजस्व वृद्धि को प्राथमिकता दे रहा है।

न्यायालय श्रीमान मुख्य मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण बिलासपुर (छ.ग.)

शिफा अन्जुम ....आवेदिका

विरुद्ध

जतिन शर्मा वगैरह ..... अनावेदकगण

प्र.क. सी.टी. 2990/2025
पेशी दिनांक-04.07.2026
प्रोसेस कमांक 2208

समंस

नोटिसी-
राहुल श्रीवास्तव पिता रमेश श्रीवास्तव, निवासी- c/ व सुशील कुमार शर्मा, पता क्वाटर नं डी 261, सेक्टर 05, देवेन्द्र नगर, रायपुर, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) पिन नं. 492001 (वाहन चालक वाहन टाटा इंडिका कार क्रमांक सी.जी. 04 एल.एफ.-9695)

आपके विरूद्ध आवेदिका के द्वारा इस न्यायालय में मोटर दुर्घटना दावा संस्थित किया गया है जिसमें आप इस न्यायालय में दिनांक 04.07.2026 को दिन के 11:00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए समंस किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या अन्य किसी प्लीडर के माध्यम से उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और इस प्रकरण से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकें और प्रतिरक्षा कर सकें, यदि नियत तिथि में किसी प्रकार की कोई आपत्ति / प्रतिरक्षा नही दिये जाने पर उक्त प्रकरण की सुनवाई और उसका निपटारा आपके अनुपस्थिति में किया जायेगा, यदि किसी कारणवश नियत तिथि में अवकाश घोषित हो जाता है तो उक्त प्रकरण की कार्यवाही आगामी कार्यदिवस को की जायेगी।

अत: आज दिनांक 23/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर न्यायालय की मुहर लगाकर जारी किया गया है।

स्थान- बिलासपुर छ.ग.
दिनांक- 23.05.2026

(सिराजुद्दीन कुरैशी)
मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण
बिलासपुर (छ.ग.)
(सेन्ट्रल प्रोसेस फीस सेक्शन के उपयोग हेतु)

आम सूचना

मौजा- अमलीडीह, प.ह.नं. - 69, रा.नि. मं- रायपुर 11 टिकरापारा, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित भूमि, खसरा नंबर - 30 / 86, रकबा - 0.0130 हे. याने कि 1399 वर्गफुटपरिवर्तित भूमि के संबंध में

सर्वविदित हो कि मेरे पक्षकार द्वारा विक्रेतागण 1. राहुल, जसवानी 2. विजय जसवानी दोनो पिता श्री टेकचंद जसवानी, दोनो निवासी- तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.) के स्वामित्व एवं आधिपत्य की परिवर्तित भूमि खसरा नंबर - 30/86, रकबा - 0.0130 हे. याने कि 1399 वर्गफुट परिवर्तित भूमि स्थित मौजा- अमलीडीह, प.ह.नं. - 69, रा. नि. मं- रायपुर 11 टिकरापारा, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.) को क्रय करने का पक्का सौदा किया जा चुका है। केवल विक्रय पत्र पंजीयन की प्रक्रिया शेष है।

अतः उपरोक्त सम्पत्ति के स्वत्व, आधिपत्य एवं अंतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, व्यक्तियों, शासकीय, अर्द्धशासकीय विभागो, बैंक, वित्तीय संस्थाओं एवं निकायों को किसी भी प्रकार का उजर, दावा या आपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन से 10 (दस) दिनों के अंदर अपनी आपत्ति मय दस्तावेज में नीचे लिखे पते पर अनिवार्य रूप से प्रस्तुत कर देवें, बाद म्याद हमारे पक्षकार द्वारा सदस्य के पक्ष मे विक्रय पत्र का पंजीयन करवा लिया जायेगा। तत्पश्चात प्रस्तुत आपत्ति अवैध एवं शून्य होने से हमारे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं रहेगी।

सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक- 08.06.2026

भवदीय
ब्यास देव भोई, रमेश साहू, सागर क्षत्रिय, सौरभ भोई, विवेक परमार, शिवांक भोई, अधिवक्तागण, ईश्वरी प्लाजा, जी. ई. रोड़, आनन्द नगर, तेलीबांधा, रायपुर (छ.ग.)
मो. नं. - 9926615110

न्यायालय नायब तहसीलदार, मंदिर हसौद, जिला- रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक/.........Q/ वाचक / तह / 2025

ईश्तहार

मंदिर हसौद, दिनांक 25/05/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, आवेदिका रीता पाल पति श्री रंजन पाल निवासी गुजरा द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि ग्राम गुजरा में स्थित भूमि ख.नं. 1671, 1672/2 एवं 1667 सभी का भाग 5520 वर्गफुट अर्थात 0.0512 हे. भूमि को विक्रेता रमेश पिता डी.आर. वर्मा से क्रय किया गया था। जिसका नामांतरण आदेश क्रमांक 169 दिनांक 03/10/2008 है। उक्त भूमि वर्तमान में मेरे नाम पर दर्ज नहीं है, अतः उक्त भूमि को मेरे नाम किये जाने हेतु आवेदन पत्र मय दस्तावेज न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति का दावा / आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 15/06/2026 तक स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम से आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है, नियत अवधि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

अतः यह ईश्तहार आज दिनांक 25/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया है।

(मुहर) नायब तहसीलदार
मंदिर हसौद (छत्तीसगढ़)

शराब पीने पैसे नहीं देने पर मारपीट

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक किशोर ने दो लड़कों के खिलाफ शराब पीने पैसे नहीं देने पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। संतोषी नगर निवासी 17 वर्षीय किशोर ने राहुल तथा अमित शर्मा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। किशोर ने पुलिस को बताया कि वह अपने चचेरे भाई के साथ दावत खाने जा रहा था। चौरसिया कालोनी के पास राहुल तथा अमित ने किशोर की बाइक रोककर शराब पीने पैसे मांगे। पैसे देने से इंकार करने पर अमित तथा उसके साथी ने किशोर तथा उसके चाचा के लड़के के साथ मारपीट की।

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

प्रथम पुण्यस्मरण

सुकमा कोंटा में शहीद हुए एवं मातृभूमि के लिये सर्वस्व न्यौछावर करने वाले अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक

अमर शहीद आकाश राव गिरेपूंजे जी

स्वर्गलोक गमनः 9.6.2025

को शत्-शत् नमन एवं भावपूर्ण श्रद्धांजलि

श्रद्धांजलि कार्यक्रम - दिनांक 9 जून 2026
सुबह 11:00 बजे से 4:00 तक लाखे नगर चौक, रायपुर

- श्रद्धानवत् -

श्रीमती गीता मंदा गोविंद राव गिरेपूंजे (माता-पिता), श्रीमती स्नेहा आकाश राव गिरेपूंजे (पत्नी), सिद्धांत, नव्या (पुत्र-पुत्री), आदर्श गिरेपूंजे (भाई), श्रीमती रश्मि कमलाकर राव गिरेपूंजे, श्रीमती प्रेमलता बसंत गिरेपूंजे, श्रीमती सुनीता नरेंद्र राव गिरेपुजे (चाची-चाचा), श्रीमती खेमलता मैहरकुरे, श्रीमती रेखा गणेश ठोंबरे, श्रीमती अनीता उमेश मलेवार, (बुवा) एवं समस्त गिरेपूंजे परिवार

- मित्र गण -

सुखनंदन राठौर सर, अविनाश सर, राहुल देव शर्मा सर, कीर्तन राठौर सर, तारकेश्वर पटेल सर, पोर्ते सर, प्रशांत शुक्ला सर, विवेक शुक्ला सर, अमर सिदार सर, अभिषेक अग्रवाल सर

MAHESHWARI

छत्तीसगढ़ में पिछली बार 1.63 लाख मोतियाबिंद की सर्जरी, इस बार टार्गेट 2 लाख

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पिछले वित्तीय वर्ष में 1.63 लाख मोतियाबिंद का ऑपरेशन करने वाले छत्तीसगढ़ का टार्गेट बढ़ाकर केंद्रीय स्वास्थ्य विभाग ने 2 लाख कर दिया है। पिछली बार के लक्ष्य में मिली 91 फीसदी सफलता के बाद ज्यादा ऑपरेशन करने का लक्ष्य दिया गया है। रायपुर जिले को 50 हजार ऑपरेशन करने होंगे। वहीं बिलासपुर को 22, दुर्ग को 15 और राजनांदगांव को इस वित्तीय वर्ष में 10 हजार ऑपरेशन करना होगा। मोतियाबिंद के होने वाले इस ऑपरेशन में निजी हास्पिटलों की भागीदारी 49 और शासकीय अस्पताल तथा एनजीओ की 51 फीसदी की भागीदारी है।

हरिभूमि सरोकार

मोतियाबिंद के कारण होने वाली अंधत्व की समस्या को दूर करने के लिए केंद्र सरकार नेत्र ज्योति योजना अभियान चला रही है। इसके तहत विभिन्न राज्यों को इस बीमारी के इलाज के लिए ऑपरेशन करने का टार्गेट दिया जाता है। छत्तीसगढ़ को पिछली 1.40 लाख का लक्ष्य दिया गया था, जिसके दिसंबर में पूरा होने के बाद केंद्र सरकार ने आंकड़ा बढ़ाकर 1.80 लाख कर दिया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने शासकीय स्तर पर मौजूद अपने संसाधन, एनजीओ और प्रायवेट सेक्टर की मदद से 1.63 लाख ऑपरेशन कर 91 प्रतिशत का लक्ष्य पूरा किया था। इस बार केंद्र सरकार की ओर से राष्ट्रीय दृष्टिहीनता एवं अल्प दृष्टि नियंत्रण कार्यक्रम के तहत छत्तीसगढ़ को 2 लाख ऑपरेशन करने का टार्गेट दिया है।

इसमें विभागीय टीम अपने संसाधन की मदद से कैटरेक्ट प्रभावित मरीजों की पहचान कर उन्हें अस्पतालों तक लाकर ऑपरेशन करने का काम पूरा करेगी। मिले लक्ष्य के आधार पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इस टार्गेट का विभिन्न जिलों में बंटवारा किया है। इसमें रायपुर जिले को सर्वाधिक 50 हजार ऑपरेशन करने का लक्ष्य दिया गया है। पिछली बार जिले ने 30 हजार के टार्गेट की तुलना में ज्यादा ऑपरेशन कर 167 प्रतिशत की उपलब्धि हासिल की थी। रायपुर समेत 4 जिलों को बढ़ा टार्गेट के बाद अन्य जिलों को मौजूदा संसाधन के आधार पर ऑपरेशन करने के निर्देश दिए गए हैं।

बांटे गए 90 हजार चश्मे : मोतियाबिंद के ऑपरेशन के अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अंधत्व निवारण कार्यक्रम के तहत लोगों को पिछली बार कुल 90 हजार चश्मा वितरित किया है। इसमें 40 साल से अधिक उम्र के लोगों की आंखों की जांच कर पढ़ने में आने वाले समस्या को देखते हुए उन्हें 46 हजार चश्मा बांटा गया। इसी तरह स्कूलों में जांच अभियान चलाकर बच्चों को 44 हजार चश्मों का वितरण किया गया है। इस मामलों में भी स्वास्थ्य विभाग की अंधत्व निवारण ने 91 प्रतिशत एचीवमेंट हासिल किया।

उपलब्ध संसाधन के आधार पर लक्ष्य

जिलों को उपलब्ध संसाधनों के आधार पर मोतियाबिंद की सर्जरी का लक्ष्य दिया गया है। रायपुर जिले में संसाधन ज्यादा है और यहां दूसरे जिले के मरीज भी आकर अपना ऑपरेशन कराते हैं जो उनके आंकड़ों में दर्ज होते हैं। समय पर जांच, पहचान और निःशुल्क उपचार की यह व्यवस्था हजारों लोगों के जीवन में नई रोशनी लेकर आई है। छत्तीसगढ़ को नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में एक मजबूत मॉडल के रूप में स्थापित कर रही है।

- डा. निधि अत्रीवाल, राज्य नोडल अफसर, राज्य अंधत्व निवारण प्रकोष्ठ

निजी अस्पतालों को 2 हजार का अंशदान

स्वास्थ्य विभाग राज्य के विभिन्न जिलों में मौजूदा संसाधनों के आधार पर मोतियाबिंद के ऑपरेशन करवा रही है। इसके लिए निजी अस्पतालों को एमओयू के तहत प्रति ऑपरेशन 2 हजार रुपए का अंशदान दिया जाता है। इसके अलावा जिस जिलों में निजी हास्पिटल और एनजीओ की सुविधा नहीं है वहां से विभागीय डाक्टरों को समय-समय पर भेजकर शासकीय चिकित्सा संस्थानों में ऑपरेशन कराए जा रहे हैं। बलरामपुर, बीजापुर, सुकमा, नारायणपुर में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए निजी सुविधा नहीं है।

15 जिले सीबीबीएफएस में शामिल पर सर्टिफिकेट नहीं

राष्ट्रीय नेत्र ज्योति योजना में मोतियाबिंद की सर्जरी कर कैटरेक्ट ब्लाइंडनेस बैकलॉग फ्री स्टेटस का रायपुर समेत अन्य 15 जिलों ने दावा किया था। उस दौरान इस दावे के आधार पर केंद्रीय टीम द्वारा निरीक्षण कर उन्हें सर्टिफिकेट जारी किया जाना था मगर ऐसा नहीं हुआ। एक तरह से सीबीबीएफएस सर्टिफिकेट की योजना ठप पड़ गई। राज्य में कोरानाकाल के दौरान ऑपरेशन ठप हो गए थे, जिस कमी को पूरा करने विशेष अभियान चलाया गया था।

खबर संक्षेप

भागवत कथा में मनाया श्रीराम और श्रीकृष्ण जन्मोत्सव

रायपुर। राजधानी रायपुर के हृदय स्थल शारदा चौक में स्थित श्री शंकर-हनुमान मंदिर में सोमवार को श्रीमद्भागवत कथा में श्रीराम एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। गौरतलब है कि 5 जून को श्रीमद्भागवत कथा का प्रारंभ प्रातः कलश यात्रा के साथ किया गया। प्रथम दिवस सुकदेवजी का आगमन एवं भरत चरित्र, रविवार को नरसिंह एवं वामन अवतार, सोमवार को श्रीराम-श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। कथा प्रवक्ता पं राजेश शर्मा 'जैनम' हैं। मंगलवार को श्रीकृष्ण लीला एवं गोवर्धन पूजा का आयोजन है।

धूमधाम से मनाया चोले वाली अम्मा का वर्सी महोत्सव

रायपुर। देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम में सोमवार को चोले वाली अम्मा का 20वां वर्सी महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। यह कार्यक्रम संत बाबा हरदास राम साहेब व संत बाबा गेलाराम साहेब के आशीर्वाद से व महंत अम्मा मीरा देवी के सानिध्य में हुआ। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के अनेक गोदड़ीवाला धाम से श्रद्धालु व रायपुर की पूज्य सिंधी पंचायतों के मुखी व अनेक संस्थाओं के प्रतिनिधिमंडल शामिल हुए। दरबार के सेवादारी इंदर सचदेव, हरि इसरानी, अमर गिदवानी, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे अखंड धूनी साहेब के पाठ साहेब से हुई। इसके बाद आरती साहेब, भजन, सत्संग, सिमरन के कार्यक्रम हुए। शाम 5 बजे देवपुरी महिला मंडल का सत्संग, शाम 7 बजे से 8.30 तक माता मंडली व का गायक विनोद चावला चकरभाटा द्वारा भजन व सत्संग का कार्यक्रम हुआ। गोदड़ीवाला धाम में आशीर्वाद लेने प्रमुख रूप से मनुमल पृथवानी, पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी, महेश दरयानी, परमानंद चिमनानी, इंदर तलरेजा, लधाराम नैनवानी, मुरली केवलानी, सर्वानंद मंधान आदि पहुंचे थे।

देह व्यापार पर अंकुश लगाने की मांग

रायपुर। राजधानी रायपुर सहित प्रदेशभर में 'स्पॉ सेंटर' और 'ब्यूटी पार्लर' की आड़ में देह व्यापार का घिनौना खेल चल रहा है। पूरे छत्तीसगढ़ को शर्मसार करने वाले इस संगठित अपराध के खिलाफ वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं अधिवक्ता मनोज सिंह ठाकुर ने शासन-प्रशासन और उच्च पुलिस अमले को राज्यव्यापी गंभीरता को देखते हुए चौतरफा व्यापक जांच व कठोर दंडात्मक कार्रवाई की मांग की है। श्री ठाकुर ने मुख्यमंत्री, गृहमंत्री, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी), रायपुर कलेक्टर और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) से मांग की है राजधानी रायपुर सहित पूरे प्रदेश के सभी संवेदनशील थाना क्षेत्रों में एक साथ संयुक्त रूप से 'स्पेशल कंबाइंड टास्क फोर्स' बनाकर आकस्मिक छापामार कार्रवाई की जाए।

रोपण किए जाने वाले ज्यादातर पौधे सागौन के साथ नीलगिरी के होंगे

22 सौ हेक्टेयर में वन विकास निगम लगाएगा 55 लाख पौधे, रायपुर में नहीं मिल पा रही जगह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मानसून सीजन शुरू होने के साथ ही वन विभाग के साथ वन विकास निगम ने पौधारोपण की तैयारी तेज कर दी है। इस वर्ष वन विकास निगम द्वारा पूरे प्रदेश में 54 लाख 56 हजार पौधारोपण किया जाएगा। इसके अलावा वन विभाग अलग से पौधारोपण करेगा। पूरे राज्य में 15 जून के बाद से पौधारोपण का कार्य युद्ध स्तर पर शुरू किया जाएगा। वन विभाग राज्य में किन-किन जगहों पर पौधारोपण करेगा, यह अब तक तय नहीं है।

राज्य वन विकास निगम के एमडी प्रेम कुमार के अनुसार वन विकास निगम जिन क्षेत्रों में पौधारोपण करेगा, उन क्षेत्रों में कितने हेक्टेयर में किस प्रजाति का पौधारोपण किया जाएगा, उस प्रजाति के पौधों की संख्या निर्धारित कर ली गई है। पौधारोपण करने के लिए वन विकास निगम के अफसर जगह चिन्हांकित करने का काम कर रहे हैं। जगह चिन्हांकित होने के बाद 15 जून से पौधारोपण का कार्य किया जाएगा।

वन विभाग द्वारा रायपुर वनमंडल में महज 50 से 60 हजार पौधों का किया जाएगा रोपण

सेटेलाइट से निगरानी

जिन क्षेत्रों में वन विभाग तथा वन विकास निगम द्वारा पौधा रोपण किया जाएगा, उन क्षेत्रों को चिन्हांकित कर सेटेलाइट से निगरानी की जाएगी। इसके साथ ही संबंधित वनमंडल के डीएफओ से पौधारोपण के बाद से स्टेटस रिपोर्ट तलब कर पौधों की जानकारी ली जाएगी। इस तरह के दावे वन विभाग के अफसरों ने किए हैं।

फाइल फोटो

वनक्षेत्र में सीड बाल से पौधारोपण

वनक्षेत्रों में सीड बाल की मदद से पौधारोपण किया जाएगा। हाथी प्रभावित क्षेत्र में पीपल के साथ अन्य फलदार पौधों के साथ कटहल जैसे पौधों का रोपण सीड बाल की मदद से किया जाएगा। अफसरों के अनुसार वनक्षेत्र में फलदार वृक्ष होने से हाथियों की रिहायशी क्षेत्र में प्रवेश की संभावना कम हो जाएगी। इससे मानव हाथी द्वंद्व रोकने में मदद मिलेगी।

जगह के लिए मोहताज हुआ रायपुर वनमंडल

डीएफओ लोकनाथ पटेल के अनुसार रायपुर वनमंडल में वन विभाग के पास जगह की कमी है। राजस्व विभाग की ओर से उन्हें पौधारोपण करने पर्याप्त जगह नहीं दी जाती। इस कारण यहां अन्य वनमंडलों की तुलना में कम क्षेत्रफल में पौधारोपण होता है। अफसर के अनुसार इस मानसून सीजन में रायपुर वनमंडल में 50 से 60 हजार पौधारोपण होने की उम्मीद है। निःशुल्क 10 से 15 लाख पौधा वितरण किया जाएगा। इसके साथ ही किसानों को अपने खेत में पौधारोपण करने किसान मित्र योजना के तहत डेढ़ से दो लाख पौधा देने का लक्ष्य निर्धारित है।

इन प्रजातियों के पौधों का इतनी संख्या में होगा रोपण

विभाग द्वारा प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक वन विकास निगम नीलगिरी के साथ ही सागौन पौधों का रोपण करने का काम करेगा। जिन दो प्रजातियों के पौधों का रोपण किया जाएगा, उन प्रजातियों में 1080 हेक्टेयर में वर्षा आधारित 27 लाख सागौन रोपण (रूट शूट) के माध्यम से किया जाएगा, जबकि 375 हेक्टेयर में नौ लाख 37 हजार 500 नीलगिरी पौधों का रोपण किया जाएगा। हरियर छत्तीसगढ़ कोष से 96 हेक्टेयर में दोनों प्रजाति के एक लाख छह हजार पौधों का रोपण किया जाएगा। 685 हेक्टेयर के क्षेत्रफल को डिपाजिट रोपण के लिए सुरक्षित किया गया है। डिपाजिट 685 हेक्टेयर में 17 लाख 12 हार 500 पौधों का रोपण किया जाएगा।

पांच सूत्रीय मांगें, नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारी कल्याण संघ का धरना 13 जुलाई को

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

- नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर 13 जुलाई से अनिश्चितकालीन प्रदर्शन

छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय नव नियुक्त अधिकारी कर्मचारी कल्याण संघ अपनी 5 सूत्रीय मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन धरना देगा।

नवा रायपुर के तूता स्थित धरना स्थल पर लामबंद कर्मचारी अधिकारी 13 जुलाई से अपनी लंबित मांगों के प्रति शासन का ध्यान आकर्षित कराने धरना देंगे। संघ के प्रदेश अध्यक्ष राजेश सोनी का कहना है कि नगरीय निकाय के कर्मचारियों अधिकारियों की लंबित मांगों पर ध्यान नहीं दिए जाने से कर्मचारी नाराज हैं। हमने संचालक नगरीय प्रशासन विभाग, सचिव नगरीय प्रशासन को अपने मांगों से अवगत करा दिया है। मांग पूरी नहीं होने पर 13 जुलाई से अनिश्चितकालीन धरना देंगे।

प्रमुख मांग

- नगरीय निकाय के कर्मचारियों को प्रति माह की 1 तारीख को वेतन भुगतान ट्रेजरी के माध्यम से सुनिश्चित किया जावे।
- नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायतों में नियमित पद पर काम करने वाले कर्मचारियों के लिए अन्य शासकीय विभागों की भांति ओल्ड पेंशन योजना जल्द लागू करने की मांग।
- नगरीय निकायों में तृतीय व चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों के पदोन्नति के लिए नए सेटअप स्वीकृत की जावे।
- नगरीय निकाय के कर्मचारियों, अधिकारियों को सातवें वेतनमान एरियर्स की राशि के शीघ्र भुगतान की स्वीकृति देने की मांग।
- निकाय के कर्मचारियों का विगत 2 से 4 वर्ष तक निकाय एवं संचालनालय स्तर पर जमा नहीं किए गए एनपीएस, जीपीएफ कटौती की राशि को जीपीएफ खाते में शीघ्र जमा कराई जावे।

प्रधानमंत्री आवास की किस्तें अटकी, ग्रामीण परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कई हितग्राहियों को किस्त की राशि मिल नहीं पाई है, जिसके कारण उनके आवास अधूरे पड़े हुए हैं, जिससे उनकी परेशानी बढ़ी हुई है। जिले के आरंग क्षेत्र के ग्राम ओड़का में कई हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास स्वीकृत किए गए हैं, लेकिन स्वीकृति के बाद किसी को पहली के बाद दूसरी किस्त पिछले कई महीनों से मिल नहीं पाई है, तो किसी को पहली किस्त ही जारी नहीं हुई।

रायपुर नगर निगम सीमा से लगे सेजबहार-मुजगहन क्षेत्र में भी कई हितग्राहियों की किस्त अटकी हुई है। इस क्षेत्र में रहने वाले नैना जोशी, लीलाधर साहू ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उसके सपनों के आवास का निर्माण हो रहा है। इसकी पहली एवं दूसरी किस्त जारी हुई है, लेकिन तीसरी एवं चौथी किस्त अभी तक नहीं मिली है। लीलाधर साहू, नैना जोशी को भी आवास की पहली किस्त मिली है, लेकिन दूसरी किस्त अब तक मिल नहीं पाई है। किस्त नहीं मिलने से उनके आवास भी अधूरे पड़े हुए हैं।

कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत के बाद भी निराकरण नहीं

ग्राम ओड़का के रहने वाले ग्रामीणों में बाबूलाल मारकंडे ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उसने आवेदन किया था, जिसे अप्रैल 2025 में स्वीकृति मिल चुकी है। इस स्वीकृति के बाद प्रथम किस्त जारी करने के लिए उनके कच्चे घर की फोटो खींचने के लिए टीम आई थी, लेकिन अब तक किस्त जारी नहीं की गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में उन्होंने कलेक्टर जनदर्शन में शिकायत भी की है, जिसका निराकरण अब तक नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि उनके गांव में ऐसे कई हितग्राही हैं, जिनमें बहुतों को दूसरी किस्त जारी नहीं हुई है। इसके कारण उनके आवास भी अधूरे पड़े हुए हैं।

सुशासन तिहार में आए 603 आवेदन, 259 का स्थल पर निराकरण, 18 लोगों को लर्निंग लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

जोन 7 कमिश्नरी के 7 वार्डों के रहवासियों की जन समस्या निवारण के लिए सोमवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में शिविर आयोजित हुआ। सुशासन तिहार में 603 आवेदकों ने विभिन्न विभागों से जुड़ी जरूरतों के संबंध में आवेदन दिए, इसमें से 259 आवेदकों की समस्या का शिविर स्थल निराकरण हुआ। 5 जरूरतमंदों ने प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए आवेदन दिए, उन्हें आवास निर्माण के लिए शिविर स्थल में भवन अनुज्ञा की स्वीकृति मिली, 18 लोगों को तत्काल आवेदन पर लर्निंग लाइसेंस बनाकर दिए गए।

नगर निगम जोन 7 क्षेत्र के रहवासियों के लिए आयोजित जन समस्या निवारण शिविर में बड़ी संख्या में अलग-अलग वार्ड के लोगों ने मांग और शिकायत के आवेदन लगाए। शिविर स्थल की व्यवस्था का प्रत्यक्ष अवलोकन करने रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत और नगर निगम की महापौर मीनल चौबे पहुंची। पश्चिम विधायक ने अलग-अलग स्टॉल पर जाकर वहां आवेदन लेकर पहुंचे लोगों से चर्चा की इस मौके राजेश मूणत ने कहा कि अधिकारी सुशासन तिहार में आये सभी आवेदनों की सूची बनाकर इसका निदान समयसीमा में करें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर राज्य शासन द्वारा लगाया गया सुशासन तिहार शिविर आमजनता के लिए काफी उपयोगी रहा। पात्र लोगों को त्वरित लाभ दिलवाया गया. रायपुर पश्चिम विधायक ने सुशासन तिहार शिविर के सफल आयोजन के लिए रायपुर नगर निगम और जिला प्रशासन सहित राज्य शासन को धन्यवाद दिया। महापौर मीनल चौबे ने कहा कि सुशासन तिहार में आए नागरिकों के जनहित से जुड़े कार्य राज्य शासन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश पर अधिकारियों ने किया है, यह सिलसिला आगे भी शिविर लगाकर शहर की जनता के हित में जारी रखा जाना चाहिए। इस मौके पर छग राज्य लौह शिल्पकार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रफुल्ल विश्वकर्मा, नगर आयुक्त संबित मिश्रा, एमआईसी सदस्य भोलाराम साहू, जोन 7 अध्यक्ष श्वेता विश्वकर्मा, पार्षद मीना ठाकुर, आनंद अग्रवाल, अपर कलेक्टर कीर्तिमान सिंह राठौर, एसडीएम नंद कुमार चौबे, नगर निगम अपर आयुक्त विनोद पांडे, जोन 7 कमिश्नर अरुण ध्रुव, कार्यपालन अभियंता सुशील मोडेस्टस की उपस्थिति रही।

- पीएम आवास के 5 हितग्राहियों को भवन अनुज्ञा की मंजूरी, 18 लोगों ने बनवाए लर्निंग लाइसेंस
- पंडित दीनदयाल उपाध्याय आडिटोरियम में जोन 7 के वार्डो के लिए जन समस्या निवारण शिविर
- विधायक राजेश मूणत, महापौर मीनल चौबे और निगम आयुक्त हुए शामिल

परसदा सोंठ में लगा जनसमस्या निवारण शिविर, 1165 आवेदनों का मौके पर निराकरण

रायपुर। अभनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत परसदा सोंठ में सोमवार को जनसमस्या निवारण शिविर आयोजित किया गया, जिसमें आसपास के कई गांव से लोग अपनी समस्या और मांग लेकर पहुंचे थे। इस शिविर में 1165 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। शिविर में क्षेत्र के विधायक इन्द्रकुमार साहू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर कलेक्टर गौरव सिंह, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन, एसडीएम अभनपुर रवि सिंह, सीईओ जनपद दीपक ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। शिविर के दौरान हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड, श्रम कार्ड, नवीनीकरण, ड्राइविंग लाइसेंस, राशन कार्ड वितरित किए गए। इसके अलावा कृषि विभाग ने किसान क्रेडिट कार्ड, स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान कार्ड बनाकर हितग्राहियों को दिए। समाज कल्याण विभाग से संबंधित आए आवेदन पर दिव्यांगजनों को साइकिल एवं ट्राईसिकल वितरित किया। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई।

ढेरों योजनाएं पर सभी अधूरी... मेडिकल कालेज और आंबेडकर अस्पताल कैसे बनेगा स्टेट ऑफ आर्ट

- सुविधाओं के विस्तार के लिए आधा दर्जन से ज्यादा घोषणाएं लेकिन प्रक्रिया पूरी नहीं हो रही
- निर्माण से संबंधित पांच बड़ी योजनाएं, जरूरी उपकरण खरीदी के मामले में पड़ी हैं लंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

आधुनिक सुविधाओं से लैस कर शासकीय मेडिकल कालेज रायपुर और उससे संबंधि आंबेडकर अस्पताल को स्टेट ऑफ आर्ट बनाने की मंशा पूरी होती नजर नहीं आ रही है। यहां चिकित्सा शिक्षा और मरीजों के इलाज की सुविधाओं से संबंधित ढेरों योजनाएं बनाई गई हैं, जो प्रक्रियाओं में उलझी होने की वजह से अब तक शुरू नहीं हो पाई हैं। इनमें कालेज और अस्पताल से संबंधित पांच बड़ी योजनाएं और जरूरी उपकरण खरीदी के कई मामले हैं।

खास खबर

बेहतर इलाज की आस में आंबेडकर अस्पताल आने वाले मरीजों को निराश नहीं होना पड़े, इसके लिए आंबेडकर अस्पताल को सुविधायुक्त बनाने के लिए समय-समय पर विभिन्न योजनाएं बनाकर घोषणाएं की गई हैं, मगर काफी समय बाद भी इस काम शुरू नहीं हो पाया है। आंबेडकर अस्पताल की सबसे बड़ी समस्या मरीजों की जरूरतों के हिसाब से वार्डों का छोटा पड़ना है। इसके लिए दो साल पहले यहां सवा तीन सौ करोड़ की लागत से सात सौ बिस्तर की क्षमता वाला भवन बनाने की घोषणा हुई। इसका भूमिपूजन भी किया गया, मगर इसके बाद से काम निर्माण एजेंसी तय करने पर अटका है। इस भवन को तमाम सुविधाओं से लैस कर आकार देने की जिम्मेदारी लेने वाली सीजीएमएससी टेंडर प्रक्रिया से बाहर ही नहीं निकल पा रहा है।

इसी प्रकार यहां काफी पुरानी हो चुकी जांच मशीनों को बदलने के लिए राशि स्वीकृत की जा चुकी है। यहां मशीन और उपकरण खरीदने का काम भी सीजीएमएससी के पास है, जो पूरा ही नहीं हो पा रहा है। अस्पताल से संबंधित मेडिकल कालेज में पढ़ाई करने वाले चिकित्सा छात्रों के लिए यहां हास्टल का निर्माण किया जा रहा है। दो से तीन साल बीतने के बाद भी हास्टल का काम पूरा नहीं हो पाया है। यहां के चिकित्सा छात्र इसे लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन भी कर चुके हैं, जिसके बाद उनके आवास के लिए किराए के भवन की व्यवस्था की गई है।

इन मशीनों का मामला भी अटका

1. अस्पताल के कैंसर विभाग में पैट सीटी मशीन को चालू करने की प्रक्रिया केवल घोषणाओं तक सीमित है।
2. रेडियो डायग्नोसिस विभाग में सीटी स्कैन और एमआरआई मशीन खरीदने की घोषणा अटकी पड़ी है।
3. पैथोलॉजी, बायोकेमेस्ट्री व माइक्रो बायोलॉजी विभाग के लिए भी एडवांस मशीन खरीदने की योजना है।
4. कैंसर विभाग की सीटी सिम्युलेटर सहित अन्य मशीन भी पुरानी है, नई खरीदने का प्रस्ताव भी लंबित है।

तीन सालों से बन रहा कार्डियक सर्जरी का ओटी : ज्यादा हृदय रोगियों के इलाज और ऑपरेशन के लिए संबंधित एडवांस कार्डियक इंस्टीट्यूट के सर्जरी विभाग के लिए दो ऑपरेशन थियेटर बनाने का काम शुरू किया गया था। करीब तीन साल बीतने के बाद भी ओटी बनकर तैयार नहीं हुआ है। यहां आने वाले मरीजों के ऑपरेशन पुराने ओटी में पुराने संसाधनों की मदद से पूरे किए जा रहे है। इस बजट में भी एसीआई को सुविधाओं से लैस करने के लिए 10 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

एल-2 ट्रामा, कैंसर भवन के विस्तार का पता नहीं

अस्पताल में एल-2 ट्रामा संग क्रिटिकल केयर यूनिट बनाने के अलावा कैंसर मरीजों के इलाज के लिए ज्यादा जगह की व्यवस्था करने सात मंजिला भवन बनाने की योजनाओं का पता नहीं है। दोनों योजनाओं के लिए राशि की मंजूरी काफी समय मिल चुकी है। इसके निर्माण के लिए भी अलग-अलग एजेंसी तय हो चुकी है मगर काम कब शुरू होगा इसका कोई अता-पता नहीं है।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, मंगलवार 9 जून 2026
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

फौजी और अधिकारी बने युवाओं को....

लाइव इवेंट

टम्बल टेल्स' का शुभारंभ, खेल, मनोरंजन और लर्निंग का नया डेस्टिनेशन तैयार

रायपुर। शहर के परिवारों, बच्चों और युवाओं को मनोरंजन व सीखने के लिए एक नई सौगात मिली है। चौबे कॉलोनी के सेंट्रल एवेन्यू राजकुमार कॉलेज के समीप में शहर के सबसे बड़े और आधुनिक इंडोर प्ले, लर्निंग एवं एंटरटेनमेंट सेंटर 'टम्बल टेल्स' का शानदार शुभारंभ हुआ। इस डेस्टिनेशन को सभी आयुवर्ग के लोगों को एक सुरक्षित और यादगार पारिवारिक अनुभव प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है। शुभारंभ समारोह में रायपुर पश्चिम के विधायक राजेश मूणत, रायपुर दक्षिण के विधायक सुनील सोनी, महापौर मीनल चौबे, लक्ष्मी महिला नागरिक सहकारी बैंक की अध्यक्ष सत्यबाला अग्रवाल और पूर्व महापौर प्रमोद दुबे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

एक ही छत के नीचे मिलेंगी कई अनूठी सुविधाएं

टम्बल टेल्स को एक अनूठी अवधारणा के रूप में विकसित किया गया है, जहां विशाल सॉफ्ट प्ले एरिया, लर्निंग स्पेस, आर्केड गेमिंग, सेलिब्रेशन जोन और एक आकर्षक कैफे को एक साथ समाहित किया गया है। अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा मानकों के अनुरूप तैयार किया गया यहां का सॉफ्ट प्ले एरिया बच्चों में शारीरिक सक्रियता, कल्पनाशीलता और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देता है। वहीं समर्पित लर्निंग स्पेस में बच्चों के कौशल विकास, रचनात्मकता और प्रयोगों को मनोरंजक तरीके से प्रोत्साहित किया जाता है। इसके अलावा मनोरंजन के शौकीन बच्चों, युवाओं और वयस्कों के लिए अत्याधुनिक आर्केड जोन बनाया गया है, जहां सभी इंटरैक्टिव गेम्स का आनंद ले सकते हैं। इसके साथ ही यहां एक सुसज्जित कैफे भी मौजूद है, जहां परिवार, मित्र या कॉर्पोरेट समूह आराम से अपना समय बिता सकते हैं। इस अवसर पर संस्थापकों ने बताया कि टम्बल टेल्स केवल एक प्ले जोन नहीं है, बल्कि यह एक सामुदायिक केंद्र कम्युनिटी सेंटर के रूप में भी कार्य करेगा।

मुख्यमंत्री साय के साथ अभिनेत्री कंगना रनौत ने देखी फिल्म

'भारत भाग्य विधाता' की स्क्रीनिंग, देखी गई 26/11 की रात की अनसुनी वीरता, कंगना रनौत की एक झलक पाने उमड़े फैंस

मुंबई के 26/11 आतंकी हमले 2008 के दौरान कामा अस्पताल की नर्सों के अदम्य साहस और समर्पण पर आधारित बॉलीवुड फिल्म भारत भाग्य विधाता की पहली विशेष स्क्रीनिंग जोरा स्थित एक मॉल में आयोजित की गई। इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहीं बॉलीवुड अभिनेत्री और सांसद कंगना रनौत स्क्रीनिंग के लिए विशेष रूप से रायपुर पहुंचीं। उनके साथ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी फिल्म देखी। इस दौरान फिल्म में दिखाया गया कि कैसे 26/11 हमले की उस खौफनाक रात में नर्सों ने अपनी जान की परवाह किए बिना बहादुरी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया था।

रायपुर। इस विशेष स्क्रीनिंग में रायपुर के विभिन्न अस्पतालों की नर्सों को भी आमंत्रित किया गया था। फिल्म के जीवंत दृश्यों के माध्यम से रायपुर की नर्सों ने मुंबई हमले के दौरान कामा अस्पताल के मेडिकल स्टाफ के संघर्षों को बहुत करीब से देखा और अपने पेशे की अहमियत को समझा। स्क्रीनिंग से पहले, समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उन साहसी नागरिकों का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने हाल ही में रायपुर में हुई आगजनी और अन्य हादसों में अपनी जान जोखिम में डालकर दूसरों की जान बचाई थी।

गोलियों की गड़गड़ाहट और दहशत के बीच कराई थी 20 बच्चों की डिलवरी

भारत भाग्य विधाता' 26/11 हमले के दौरान की एक ऐसी अनसुनी वीरता की कहानी है, जब गोलियों की गड़गड़ाहट और चारों तरफ फैली दहशत के बीच कामा अस्पताल की नर्सों ने 20 बच्चों की सुरक्षित डिलवरी कराई थी। फिल्म स्क्रीनिंग के दौरान यह संदेश भी दिया गया कि डॉक्टर और नर्सें वो योद्धा होते हैं, जो मुश्किल से मुश्किल वक्त में भी मरीजों का साथ नहीं छोड़ते, जैसा कि पूरी दुनिया ने कोविड-19 महामारी के दौरान भी देखा था। यह फिल्म कामा अस्पताल के डॉक्टरों, नर्सों और हेल्थकेयर स्टाफ की उसी हिम्मत और जज्बे को बड़े पर्दे पर एक भावुक ट्रिब्यूट है।

...इसलिए रायपुर में हुई बॉलीवुड फिल्म की पहली स्क्रीनिंग

आमतौर पर बॉलीवुड की किसी भी बड़ी फिल्म की पहली स्क्रीनिंग मुंबई या दिल्ली जैसी मेट्रो सिटीज में ही की जाती है, लेकिन रायपुर को यह अवसर फिल्म के निर्देशक और लेखक मनोज तापड़िया के कारण मिला। मनोज का छत्तीसगढ़ से गहरा और पुराना जुड़ाव रहा है। उन्होंने अपने जीवन का एक लंबा वक्त यहां बिताया है। यही कारण था कि ट्रेलर लॉन्च के दौरान ही उन्होंने इच्छा जताई थी कि उनकी फिल्म की पहली स्क्रीनिंग रायपुर की जनता के बीच ही की जाए।

कंगना को देखने मॉल में उमड़ी भारी भीड़

मॉल में अपनी पसंदीदा अभिनेत्री कंगना रनौत की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में उनके फैंस पहुंचे हुए थे। शाम करीब 5.30 बजे जैसे ही कंगना मॉल पहुंचीं, फर्स्ट फ्लोर से लेकर तीसरे फ्लोर तक फैंस की भारी भीड़ मौजूद थी। फैंस लगातार उनका नाम पुकार रहे थे। कंगना ने भी मुस्कुराकर और हाथ हिलाकर अपने प्रशंसकों का अभिवादन किया। स्क्रीनिंग के दौरान कंगना ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार का विशेष रूप से आभार व्यक्त किया।

सेवा, साहस और समर्पण की कहानी : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय जोरा मॉल में आयोजित 'भारत भाग्य विधाता' फिल्म की प्री-लॉन्च स्क्रीनिंग सेरेमनी में शामिल हुए। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी कौशल्या साय एवं परिजन भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ऐसे अनेक योद्धा होते हैं, जिनकी कहानियां समाज के सामने नहीं आ पातीं। कंगना रनौत ने स्वयं नर्स की भूमिका निभाकर उन स्वास्थ्यकर्मियों के साहस, सेवा और समर्पण की कहानी देश के सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया में कई ऐसे लोग होते हैं, जो बड़े कार्य कर जाते हैं, लेकिन उन्हें उचित पहचान नहीं मिल पाती। यह फिल्म ऐसे ही लोगों को समर्पित है।

सिटी इवेंट

द्वितीय विश्वयुद्ध के समय रायपुर में बने हवाई अड्डे और रियासतों के विलय के दस्तावेजों ने खींचा सबका ध्यान

रायपुर। अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार सप्ताह के अवसर पर महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय की कला वीथिका आर्ट गैलरी में ऐतिहासिक दस्तावेजों की विशेष छायाचित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। संस्कृति विभाग के अंतर्गत पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय द्वारा आयोजित इस प्रदर्शनी के पहले ही दिन आम नागरिकों, विद्यार्थियों, शोधार्थियों और इतिहास प्रेमियों ने दस्तावेजों का अवलोकन किया। प्रदर्शनी में पहुंचे लोगों ने देश व छत्तीसगढ़ के इतिहास से जुड़े उन अनमोल दस्तावेजों का गहराई से अवलोकन किया, जो अब तक केवल फाइलों में बंद थे।

दर्शकों ने प्रदर्शनी में देखे 1930 से 1955 तक के ऐतिहासिक दस्तावेज

प्रदर्शनी में 1930 से 1955 के मध्य के महत्वपूर्ण अभिलेखों को पहली बार लोगों ने देखा। लोगों ने तत्कालीन मध्यप्रांत, बरार और छत्तीसगढ़ के प्रशासनिक और राजनीतिक इतिहास को दर्शाने वाले उन दस्तावेजों को पढ़ा, जिन्हें भोपाल से स्कैन कर डिजिटल स्वरूप में यहां लाया गया था। दर्शकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान रायपुर में हवाई अड्डे के निर्माण की योजनाओं से जुड़े पत्र, पृथक कोसल राज्य के गठन के प्रयास और देशी रियासतों के भारतीय संघ में विलय के ऐतिहासिक दस्तावेज रहे। इसके अलावा, आगंतुकों ने पुरातात्त्विक स्मारकों के संरक्षण, भूमि सुधार कार्यक्रमों, तत्कालीन राष्ट्रपति के छत्तीसगढ़ प्रवास, मंदिर प्रबंधन और राजिम मेले के प्रशासनिक संचालन से जुड़े दुर्लभ अभिलेखों को भी बेहद दिलचस्पी के साथ देखा और समझा।

इतिहास और शासन की पारदर्शिता को समझने का मिला अवसर

इन दस्तावेजों को अपने सामने पाकर शोधार्थी और विद्यार्थी खासे उत्साहित नजर आए। आगंतुकों का कहना था कि इन अभिलेखों के माध्यम से उन्हें न केवल इतिहास की महत्वपूर्ण घटनाओं को समझने का मौका मिला, बल्कि वे उस दौर की प्रशासनिक व्यवस्था, सामाजिक परिस्थितियों और सांस्कृतिक परिवर्तनों को भी करीब से महसूस कर सके। प्रदर्शनी के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय अभिलेखागार सप्ताह के अंतर्गत 9 जून को प्रातः 11 बजे संग्रहालय सभागार में एक विशेष व्याख्यान का भी आयोजन किया जा रहा है। न्याय के लिए अभिलेखागार : अधिकार, स्मृति और भविष्य विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम में नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय अभिलेखागार के विशेषज्ञ दीपक और भुवनेश्वर (ओडिशा) के अभिलेख विशेषज्ञ सत्यनारायण मिश्र अपने विचार साझा करेंगे। इस दौरान अभिलेखों के डिजिटलीकरण, संरक्षण की चुनौतियों और ऐतिहासिक अनुसंधान में इनकी लोकतांत्रिक भूमिका पर विस्तार से चर्चा की जाएगी।

'आकार' में 1300 प्रतिभाओं का भव्य प्रदर्शन आज, सम्मान से नवाजे जाएंगे कला साधक

रायपुर। संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित 15 दिवसीय आकार शिविर के अंतिम दिन कला प्रतिभाओं की भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। शिविर के दौरान 16 विधाओं में कलागुरुओं द्वारा पारंगत किए 1300 से अधिक पंजीकृत प्रशिक्षु कला साधक अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इन प्रतिभाओं व कलागुरुओं को उनकी साधना और कला के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान से नवाजा जाएगा। शिविर के समापन के अवसर पर सभी प्रशिक्षुओं द्वारा तैयार की गई खूबसूरत कलाकृतियों की एक भव्य प्रदर्शनी लगाई जाएगी। साथ ही सफलतापूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले सभी प्रतिभागियों को संस्कृति विभाग द्वारा प्रमाणपत्र भी प्रदान किए जाएंगे। इस शिविर में शिल्प एवं लोककलाओं के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने के उद्देश्य से आकार पारंपरिक शिल्प एवं विविध कला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन यादगार बनेगा। यह प्रशिक्षण शिविर प्रदेश के कलाप्रेमियों, युवाओं और प्रशिक्षुओं के लिए एक अनूठा मंच साबित हो रहा है।

इन विधाओं में हुए हैं पारंगत

शिविर में प्रशिक्षुओं ने फाइन आर्ट, नाटक, स्केचिंग, कैनवास पेंटिंग, जूट शिल्प, मेहंदी आर्ट, गोदना आर्ट, छत्तीसगढ़ी ज्वेलरी एवं ट्रॉयबल वुडन आर्ट, भरथरी गाथा, लोकनृत्य-गीत, आदिवासी नृत्य एवं गीत, सेंड आर्ट, धान ज्वेलरी एवं ड्राई फ्लॉवर, ढोकरा शिल्प, वाद्ययंत्र प्रशिक्षण एवं मेकिंग, टेराकोटा एवं छत्तीसगढ़ी व्यंजन आदि विधाओं में ख्यातिप्राप्त पारंगत कलागुरुओं से प्रशिक्षण प्राप्त कर पारंगत बने हैं। 15 दिनों तक संचालित इस शिविर में दो पालियों में सुबह 7 से 10 बजे तक एवं सायं 5 बजे से 8 बजे तक महंत घासीदास स्मारक संग्रहालय परिसर में कलागुरुओं ने प्रशिक्षु कलाकारों को प्रशिक्षित किया। आज समापन के दिन प्रशिक्षित कलाकार अपनी कलाकृतियों के प्रदर्शन से कलागुरुओं को गुरुदक्षिणा देंगे। बता दें कि शासन स्तर पर ग्रीष्मकालीन स्कूली अवकाश में स्कूली बच्चों सहित कॉलेज के छात्र-छात्राओं, युवा एवं बुजुर्ग समेत हर वर्ग के कला साधकों ने अपनी प्रतिभा को निखारने बड़ी संख्या में भाग लिया है।

संबंधों को नहीं पहचान रहे इसलिए भी हो रहा शोषण

रायपुर। जीवन विद्या अध्ययन बिंदु शिविर में प्रबोधक ने कहा कि लोग संबंध को नहीं पहचानते हैं, इसलिए भी शोषण होता है। हम धरती के साथ अपने संबंध को नहीं पहचान पा रहे, इसलिए धरती का शोषण कर रहे हैं। जिस दिन लोग समझ जाएंगे कि धरती के स्वस्थ रहने से ही मानव का अस्तित्व है, उस दिन धरती का दोहन करना छोड़ देंगे। यह बात सोमवार को अभ्युदय संस्थान अछोटी एवं अभिभावक विद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में निरंजन धर्मशाला में आयोजित आठ दिवसीय जीवन विद्या अध्ययन शिविर में सोमदेव त्यागी ने कही। अभिभावकों के बीच कहा कि हम धरती के साथ भी अपने संबंध को नहीं पहचान रहे हैं, इसलिए प्रदूषित करते हैं। वृक्षारोपण करने और प्रदूषण नहीं करने के उपदेश देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। ऐसे ही मानव-मानव के बीच संबंध को नहीं पहचान रहे हैं, इसलिए परिवार में सुखी नहीं हैं।

सजगता से संवरेगी जीवन की नई पौध

मुख्य वक्ता के रूप में प्रबुद्ध अभिभावकों से अध्ययन शिविर में कहा कि आज लोग सबसे अधिक दुख परायों से नहीं अपनों से पा रहे हैं। अपनों से ही सबसे ज्यादा लड़ाई और मनमुटाव हैं। जब हम एक-दूसरे की परस्परता और संबंध को पहचान लेते हैं तो शोषण दूर हो जाता है। मध्यस्थ दर्शन में ए. नागराज ने कहा है कि जहां संबंध नहीं, वहां शोषण है। जहां शोषण है, वहां संबंध नहीं है। यह हर जगह लागू होता है, चाहे धरती के साथ संबंध हो या फिर पशु-पक्षी, पेड़-पौधे से हो या फिर मानव का मानव से संबंध हो।

ट्रिपल आईटी में 45 दिवसीय वोकेशनल ट्रेनिंग एवं आउटरीच इंस्टीट्यूट प्रोग्राम का शुभारंभ

कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और साइबर सुरक्षा के नवाचार आइडिया सीख रहे शोधार्थी

कार्नर न्यूज

रायपुर। ट्रिपल आईटी में 45 दिवसीय वोकेशनल ट्रेनिंग एवं आउटरीच इंस्टीट्यूट प्रोग्राम का भव्य शुभारंभ हुआ। सोमवार को इस प्रशिक्षण प्रोग्राम के उद्घाटन छत्तीसगढ़ शासन के तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने किया। मंत्री ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और साइबर सुरक्षा जैसे उभरते क्षेत्रों में देशभर के युवा शोधार्थियों को प्रशिक्षित करने श्रेष्ठ मंच बताया। बता दें कि इस 45 दिवसीय वोकेशनल ट्रेनिंग एवं आउटरीच इंस्टीट्यूट प्रोग्राम में देशभर से शोधार्थी छात्र-छात्राएं एवं विशेषज्ञों की टीम द्वारा एआई, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, वीएलएसआई एवं सेमीकंडक्टर तकनीक, ड्रोन एवं रोबोटिक्स सहित विभिन्न अत्याधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञ प्रशिक्षण ले रहे हैं। कार्यक्रम में इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ की कुलपति प्रो. डॉ. लवली शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ओमप्रकाश व्यास, कुलपति एवं निदेशक ट्रिपल आईटी-नया रायपुर ने की। प्रो. डॉ. लवली शर्मा ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और संगीत, कला तथा रचनात्मकता जैसे क्षेत्रों के बीच बढ़ती अंतःविषय संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने ट्रिपल आईटी-नया रायपुर द्वारा तकनीकी शिक्षा, नवाचार और उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में किए जा रहे अग्रणी कार्यों की प्रशंसा की तथा विद्यार्थियों को तकनीक और सृजनात्मकता के समन्वय से नए अवसरों की खोज करने के लिए प्रेरित किया।

अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें शोधार्थी

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने इस प्रोग्राम को प्रतिभागी स्टूडेंट्स के जीवन का एक महत्वपूर्ण और परिवर्तनकारी पड़ाव बताया। उन्होंने विद्यार्थियों से आव्हान किया कि वे पूर्ण समर्पण और अनुशासन के साथ प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करें तथा अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्र निर्माण में करें।

मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स जैसे सब्जेक्ट खास

अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. ओमप्रकाश व्यास ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्थान का उद्देश्य केवल तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नवाचार, अनुसंधान, समस्या समाधान क्षमता तथा उद्योगोन्मुख कौशलों का विकास करना है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के अंतर्गत प्रतिभागियों को एआई, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन, वीएलएसआई एवं सेमीकंडक्टर तकनीक, ड्रोन एवं रोबोटिक्स सहित विभिन्न अत्याधुनिक क्षेत्रों में विशेषज्ञ प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा।

अत्याधुनिक तकनीकों एवं शोध पर मंथन

कार्यक्रम में डीन अकादमिक प्रो. केजी श्रीनिवास, डीन अनुसंधान एवं विकास प्रो. मिथिलेश चौबे, कुलसचिव डॉ. पुण्य प्रसन्न पल्टानी, तथा वीटीपी समन्वयक डॉ. अनुराग सिंह सहित संस्थान के संकाय सदस्य एवं अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में देशभर से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आगामी प्रशिक्षण अवधि के दौरान अत्याधुनिक तकनीकों एवं शोध उन्मुख गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

इवेंट लाइव

सेंध लेक में दिखेगा पानी पर रफ्तार का रोमांच

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने निवास कार्यालय में 36वीं राष्ट्रीय सब जूनियर एवं जूनियर कयाकिंग-केनोइंग प्रतियोगिता के मस्कट 'पहाड़ी मैना' का विमोचन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए आयोजकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राज्य सरकार खेलों के विकास और खिलाड़ियों को बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व और व्यक्तित्व विकास का सशक्त आधार हैं। प्रदेश में खेल अधोसंरचना को मजबूत बनाने के साथ-साथ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

छत्तीसगढ़ को मिली मेजबानी

यह प्रतियोगिता 12 से 14 जून 2026 तक नवा रायपुर स्थित सेंध लेक में आयोजित होगी। कयाकिंग-केनोइंग एक ओलम्पिक खेल है, जिसमें छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए अनेक पदक अर्जित किए हैं। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की मेजबानी राज्य की राजधानी में होना प्रदेश के खेल इतिहास के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।इस अवसर पर छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव विक्रम सिसोदिया, भारतीय कयाकिंग-केनोइंग महासंघ एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कयाकिंग-केनोइंग एसोसिएशन के सहसचिव प्रशांत सिंह रघुवंशी सहित छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिटी लाइव

साइकिल रैली निकालकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

रायपुर। कर्मचारी भविष्यनिधि संगठन द्वारा साइकिल रैली का आयोजन क्षेत्रीय कार्यालय में रविवार को विश्व साइकल दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। कार्यालय के कर्मियों ने रैली में साहसपूर्वक भाग लिया। मनसुख मंडाविया मंत्री श्रम एवं रोजगार मंत्रालय तथा युवा एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की अपील एवं पहल पर पूरे देश में संडे ऑन साइकिल मुहिम प्रारंभ की है तथा आव्हान किया है कि देश के समस्त नागरिक इसमें बढ़-चढ़कर भाग लें। इस अवसर पर कार्यालय के गौरव डोगरा क्षेभनिआ, विकास शुक्ल सहायक निदेशक राजभाषा शामिल हुए। इस कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि अनिमेश शर्मा को आमंत्रित किया गया, जो कि टूर-द-रायपुर के सक्रिय सदस्य हैं, जो रायपुर में विभिन्न स्तरों अर्थात दूरियों की साइकिल रैलियां आयोजित करते हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि अनिमेश शर्मा को 600 किलोमीटर की रैली का अनुभव है। उन्होंने साइकिल चलाने और उससे स्वास्थ्य के बेहतर होने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथि एवं समस्त प्रतिभागियों ने रैली के बाद विश्व पर्यावरण दिवस के संबंध में प्राप्त दिशा निदेशानुसार कार्यालय परिसर में वृक्षारोपण किया तथा कार्यालय परिसर एंव आसपास की गई साफ सफाई का अवलोकन किया।

एजुकेशन अलर्ट

12वीं के बाद करियर का चुनाव, दबाव में नहीं, अपनी रुचि और आधुनिक कौशल के आधार पर लें फैसला

रायपुर। 12वीं की परीक्षाओं के बाद का समय विद्यार्थियों के भविष्य की दिशा तय करने का सबसे महत्वपूर्ण पड़ाव होता है। दावड़ा यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर तुलसीदास संघानी का कहना है कि विद्यार्थियों को सामाजिक दबाव या दूसरों की देखादेखी के बजाय अपनी रुचि, योग्यता और लक्ष्य के अनुसार ही करियर चुनना चाहिए। आज के इस प्रतिस्पर्धी दौर में सिर्फ डिग्री काफी नहीं है, संचार कौशल, नेतृत्व और तकनीकी दक्षता भी बेहद जरूरी है। छात्रों को पारंपरिक विषयों के अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सुरक्षा और डिजिटल मार्केटिंग जैसे आधुनिक क्षेत्रों में भी अपनी संभावनाएं तलाशनी चाहिए।

करियर काउंसिलिंग की भूमिका अहम

इस महत्वपूर्ण चरण में सही मार्गदर्शन के लिए करियर काउंसिलिंग की भूमिका अहम हो जाती है। भविष्य का फैसला केवल मित्रों या रिश्तेदारों की सलाह पर न छोड़कर योग्य विशेषज्ञों से परामर्श लेना चाहिए। इसमें अभिभावकों की भी बड़ी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों पर अपनी इच्छाएं थोपने के बजाय उनकी प्रतिभा को समझें। आज केवल करियर ही नहीं, बल्कि संतुलित व्यक्तित्व और बेहतर मानसिक स्वास्थ्य भी जरूरी है। छात्रों को यह समझना चाहिए कि परीक्षा परिणाम जीवन का अंतिम सत्य नहीं हैं, सफलता-असफलता दोनों ही आगे बढ़ने और कुछ नया सीखने के बेहतरीन अवसर हैं।

पहले किया बदलाव : माता-पिता ने खुद थमाया मोबाइल, अब भटक रहे युवा और तोड़ रहे सामाजिक बंधन

सोशल साइट्स पर क्लीपिंग्स-रील्स अपलोड करने और लाइक, कमेंट की होड़, कंटेंट तोड़ रहे मर्यादा

इंटरनेट के दौर में चर्चित होने और शार्टकट से पैसे कमाने वालों के बीच होड़ मची है। मोबाइल स्क्रीन्स पर परोसे जाने वाले कंटेंट को लोग सामाजिक मर्यादा तोड़ते हुए सिर्फ लाइक और कमेंट से लाखों रुपए कमाने वालों को परिवार में रोकने का प्रयास नहीं करते। बच्चों का उपयोग भी रील्स में किया जाने लगा है। साइकोलॉजिस्ट इस सोच के साथ जीवन जी रहे, हर माता-पिता और बच्चे को एक तरह से एडिक्ट होना मानते हैं। वहीं छॉलीवुड के डायरेक्टर्स सोशल साइट्स के जरिए प्रतिभाओं को आगे बढ़ने और करियर निर्माण का रास्ता मानते हैं।

मोबाइल के प्रयोग पर अब नियंत्रण जरूरी

इस संदर्भ में बोरियाकला स्थित श्रीशंकराचार्य आश्रम के स्वामी डा. इंदुभवानंद तीर्थ ने कहा कि अवांछनीय शब्दों का प्रयोग और

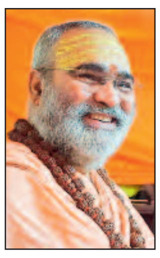

पहनावा ही नहीं, रील्स में कमेंट पाने सभी तरह की मर्यादा को भी तोड़ा जा रहा है। माता और पिता बच्चों को मोबाइल दे रहे हैं। इसमें चलने वाले लाइक और कमेंट के खेल में खुद को आगे दिखाने के लिए कुछ भी किया जा रहा है। माता-पिता आर्थिक युग की दौड़ और दुखद प्रभाव को नहीं समझ पा रहे हैं। अब परिवार के मुखिया का मोबाइल के प्रयोग पर नियंत्रण जरूरी है। रील्स और वीडियो साइट्स में अच्छी जानकारियां भी हैं, लेकिन पैसे कमाने की भावना से प्रेरित लोग मर्यादा की हदें भी पार करने लगे हैं। वहीं रील्स के जरिए जाने कितने ही युवा धर्म जागरण के लिए बेहतर काम भी कर रहे हैं।

रायपुर। धर्म-शास्त्रों के विद्वान माता-पिता को सामाजिक मर्यादा में रहते हुए शब्दों का इस्तेमाल करने के साथ ही आधुनिक दौर में बच्चों को रील्स से बचाने पर जोर दे रहे है। इन दिनों हर किसी को जल्दी फेमस होने की चाह शार्टकट की ओर धकेल रही है। सोशल साइट्स पर वीडियो और रील्स का चलन ही नहीं, इसमें लाइक, कमेंट पाने के लिए उपयोग किए जाने वाले कंटेंट भी बेलगाम हैं। इससे युवाओं का बड़ा वर्ग जुड़ रहा है। इसे बनाने में कंटेट के रूप में बच्चों का माता-पिता भी उपयोग करने लगे हैं। इसको लेकर हरिभूमि ने विद्वानों सहित एक्सपर्ट से संवाद किया, जिसमें सभी ने अपने-अपने तर्क दिए। इस श्रृंखला में छालीवुड के जाने-माने निर्माता और निर्देशक प्रणव झा नए प्रयोगों के लिए जाने-जाते हैं। उन्होंने कहा कि नागेश और धनेश जैसे एक्टर भी रील्स की वजह से रूपहले पर्दे तक पहुंचे। युवा कम समय में ज्यादा कमाने की चाह रखते हैं, इसलिए भी चलन बढ़ रहा है। संसाधन का सदुपयोग और दुरुपयोग व्यक्ति की सोच पर डिपेंड करती है। बदलते दौर में माता और पिता के दायित्व का दायरा बढ़ गया है।

अलग दिखने की चाहत, पैरेंट्स मूक दर्शक

साइकोलॉजिस्ट दीप्ति दुबे का मत है कि सोशल मीडिया साइट्स और रील्स में अलग दिखने-दिखाने की मानो होड़ मची है। हर हाथ में मोबाइल होने से रील्स और वीडियो से हर वर्ग के लोग न केवल जुड़ रहे, बल्कि लाइक और कमेंट भी कर रहे हैं। इस मायाजाल का साइकोलॉजिकल प्रभाव अब लोगों के व्यवहार और सोच में भी नजर आने लगा है। बच्चों द्वारा लाइक पाने के लिए परोसे जा रहे कंटेंट से पैरेंट्स या तो अनजान हैं या बेटे-बेटियों द्वारा फेमस होने के लिए अपनाए जा रहे शार्टकट को मूकदर्शक बनकर देख रहे हैं। एडिक्शन के सबसे ज्यादा शिकार युवा और अब बच्चे भी इसके प्रभाव में तेजी से बढ़ रहे हैं।

एआई ने कंटेट समायोजन को किया आसान

एक दौर था, जब इंटरनेट की सुविधा महंगी थी। अब चलन बढ़ने से दरों में तेजी से कमी आई। अब एआई ने रील्स और कंटेंट आधारित क्लीपिंग्स के समायोजन को

तैयार करना भी आसान बनाया है। हर वर्ग ने लाइक और कमेंट्स से पैसे कमाने एडिक्ट जैसे ही व्यवहार करने लगे हैं। चर्चित होने और लाखों रुपए कमाने के लिए लोगों ने इस शार्टकट को भी अपनाना शुरू किया है। साइकोलॉजिस्ट एवं करियर काउंसलर डॉ. अजीत वरवंडकर का मत है कि युवा स्टंट तो परिवार के लोग रिश्तों पर आधारित अनर्गल संवाद को कंटेंट बना रहे हैं। यह एक तरह का नशा है, जिसे पुलिस ने नियंत्रित करना शुरू किया है।

फौजी और अधिकारी बने युवाओं को सांसद बृजमोहन ने किया सम्मानित

रायपुर। जयश्री राम निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण संस्थान द्वारा सम्मान समारोह रविवार को कमल विहार सेक्टर-13 में आयोजित किया गया। इस समारोह में संस्थान के सफल प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। इसमें साहिल ध्रुव अग्निवीर, हरीश यदु अग्निवीर, पवन जायसवाल अग्निवीर, पोखराज वर्मा सहायक विस्तार अधिकारी और पुलिस कुलदीप इसदा को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने हाथों से सम्मानित किया। इस मौके पर सांसद ने जयश्री राम निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण संस्थान के पूर्व सैनिक पन्नालाल सिन्हा और संगठन के सभी सदस्यों को इस सफलता व प्रयास के लिए सराहना की, जो नई पीढ़ी में राष्ट्रसेवा की भावना जागृत कर शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण का पुनीत कार्य कर रहे हैं। सांसद ने सैन्य प्रशिक्षण संस्थान द्वारा फौज में जाने के लिए युवाओं को तैयार करने में लगने वाले जरूरी संसाधनों के लिए संस्थान को पांच लाख रुपए देने की घोषणा भी की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ. उदयभान सिंह चौहान, जोन अध्यक्ष व पार्षद बद्रीप्रसाद गुप्ता, मनोज जांगड़े, सुभाष सिंह उपस्थित रहे।

असम-नागालैंड की तरह फोर्स भर्ती में मिले छूट

इस कार्यक्रम मे ट्रेनिंग सेंटर के संचालक पूर्व सैनिक पन्नालाल सिन्हा ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल से आग्रह किया कि लोकसभा में आप आवाज उठाएं कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। यहां के बच्चे एक दो सेंटीमीटर कम होने से फोर्स मे भर्ती से अपात्र कर दिए जाते हैं। ऐसे में छत्तीसगढ़ को ऊंचाई के लिए अन्य स्टेट जैसे असम-नागालैंड की तरह छूट मिलना चाहिए।

जयश्री राम निशुल्क सैन्य प्रशिक्षण संस्थान द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन

देशभक्ति से बड़ा कोई काम नहीं

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद ने कहा कि देशभक्ति से बड़ा कोई काम नहीं होता। हम आजादी के पहले बोलते थे, देश के लिए मरना सीखो, पर आजादी के बाद बोलते हैं, देश के लिए जीना सीखो। हमें देश के लिए जीना है, देश के लिए काम करना है, हमें देश को आगे बढ़ाना है। आज हम जो शांति से काम कर रहे हैं, शांति से रह रहे हैं तो इसका श्रेय सीमा पर डटे हमारे जवानों को जाता है, जो लेह-लद्दाख में काम कर रहे हैं, सियाचीन में माइनस टेम्परेचर में भी सुरक्षा कर रहे हैं।

फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम में भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व को साझा कर रहे टीचर्स

रायपुर। पं. हरिशंकर शुक्ल स्मृति महाविद्यालय में पांच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन शिक्षा विभाग, कला संकाय व आईक्यूएसी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत पहले दिन के सत्र में सतत विकास के लक्ष्यों के लिए भारतीय ज्ञान प्रणाली पर डॉ. दिव्या शर्मा विभागाध्यक्ष विप्र महाविद्यालय ने अपने विस्तृत विचार रखे। प्रथम सत्र मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त विभागाध्यक्ष प्राध्यापक शोधार्थी व अन्य महाविद्यालय से आए प्राध्यापक उपस्थित रहे। अपने व्याख्यान में डॉ. शर्मा ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न आयामों में प्रकाश डालते हुए स्पष्ट किया की भारतीय चिंतन, जीवन मूल्य एवं सांस्कृतिक परम्पराएं वर्तमान समय में सतत विकास के लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक सिद्ध हो सकती हैं। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण सामाजिक समावेशिता, नैतिक शिक्षा, आत्मनिर्भरता तथा मानव कल्याण जैसे विषयों को भारतीय ज्ञान प्रणाली के संदर्भ में प्रस्तुत किया। व्याख्यान के माध्यम से प्रतिभागियों ने भारतीय ज्ञान परम्परा और वैश्विक लक्ष्यों के मध्य संबंधों को समझने का प्रयास किया। साथ ही नई शिक्षा नीति 2020 में भारतीय ज्ञान प्रणाली के महत्व एवं उसके व्यवहारिक अनुप्रयोगों को सीखा।

प्रश्नोत्तरी में प्रतिभागियों ने लिया भाग

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. ममता शर्मा ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम शिक्षकों को नवीन शैक्षणिक दृष्टिकोण प्रदान करते हैं तथा भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिता को समकालीन संदर्भों में समझने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों द्वारा प्रश्नोत्तर सत्र में अपने विचार व जिज्ञासाएं साझा की गईं। संस्था के चेयरमैन सुशील शुक्ला ने कहा कि भारतीय ज्ञान प्रणाली केवल प्राचीन परम्पराओं का संग्रह नहीं, बल्कि यह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में संतुलन एवं स्थायित्व का मार्ग प्रशस्त करती है। अंत में शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष ने सभी का आभार प्रदर्शन किया। मंच व्यवस्था व संचालन बलजीत कौर द्वारा किया गया। द्वितीय दिवस पर आज डॉ. अरविंद पाण्डे द्वारा विषय आधारित सत्रों में विचार व्यक्त किए जाएंगे।

कार्नर न्यूज

संस्थान में मानसिक स्वास्थ्य एवं मानवीय मूल्यों पर 10 दिवसीय कार्यशाला

एनआईटी टीचर्स और स्टूडेंट्स सीख रहे तनावमुक्त संतुलित जीवनशैली

रायपुर। एनआईटी में मानसिक स्वास्थ्य एवं मानवीय मूल्य विषय पर 10 दिवसीय कार्यशाला संस्थान के मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित की गई है। सोमवार को कैंपस में कार्यशाला का भव्य उद्घाटन हुआ। इस कार्यशाला में संस्थान के प्राध्यापकों, कर्मचारियों, छात्रों, पीएचडी स्कॉलर्स मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनेंगे। कार्यशाला के विविध सत्रों में विषय विशेषज्ञ प्रतिभागियों में सकारात्मक जीवन मूल्यों को विकसित करना तथा तनावमुक्त एवं संतुलित जीवनशैली को अपनाने की तरीके बताएंगे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि एनआईटी के डीन

डॉ. मनोज चोपकर तथा विशिष्ट अतिथि मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. समीर बाजपेयी रहे। कार्यशाला का संचालन एनआईटी रायपुर की साइकोलॉजिकल काउंसलर डॉ. हिना चावड़ा द्वारा किया गया। सबसे पहले डॉ. चावड़ा ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यशाला का सार सभी के सामने प्रस्तुत किया। इसके बाद अपने संबोधन में डॉ. चोपकर ने अच्छे मानसिक स्वास्थ्य, बच्चों के प्रति सकारात्मक व्यवहार तथा स्वस्थ सामाजिक वातावरण के विशेष महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति न केवल स्वयं का विकास करता है, बल्कि समाज एवं राष्ट्र निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है।

मन को स्वस्थ रखने प्रसन्न रहें

मुख्य वक्ता डॉ. हिना चावड़ा ने मानसिक स्वास्थ्य एवं मानवीय मूल्यों के विभिन्न आयामों को बताते हुए मानसिक स्वास्थ्य और शरीर की आवश्यकताओं के बीच संबंध स्पष्ट करते हुए बताया कि जिस प्रकार शरीर को स्वस्थ रहने के लिए उचित आहार एवं देखभाल की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार मन को स्वस्थ रखने के लिए प्रसन्नता, आत्मबोध और दूसरों को समझने की क्षमता आवश्यक है।

इन विषयों पर विशेषज्ञ रखेंगे विचार

विभिन्न सत्रों के माध्यम से जिसमें स्वयं को जानें, मानव का अध्ययन, ज्यादा सोचने की आदत कैसे कम करें, वर्तमान में जीना सीखें, पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट, परिवार संबंध मूल्य एवं संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा इत्यादि विषयों पर प्रतिभागियों को मानसिक स्वास्थ्य, सकारात्मक सोच, आत्मविकास एवं मानवीय मूल्यों से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

ज्योतिष

17 जून को बन रहा ध्रुव योग, इन राशियों को मिलेगी तरक्की

पंचांग के अनुसार, 17 जून 2026 को सुबह 12 बजकर 35 मिनट पर ध्रुव योग का निर्माण हो रहा है। इस दिन रात में 8:51 मिनट पर ही यह योग समाप्त भी हो जाएगा। ऐसे में इस ध्रुव योग से राशिचक्र की 4 राशियों को लाभ होगा। ध्रुव योग अधिकांश मामलों में शुभ माना जाता है। इस योग के प्रभाव से जीवन में खुशहाली आती है।

वृषभ राशि : वृषभ राशि के लोगों को 17 जून को ध्रुव योग से लाभ मिलेगा। यह राशि पृथ्वी तत्व की है। इस राशि के लोगों के कामकाज में स्थिरता आएगी। इन लोगों को नया रिश्ता जोड़ने का मौका मिल रहा है। लंबे समय से अटके हुए कार्य पूरे होंगे। लोगों के साथ संबंध मजबूत होंगे। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में संतुलन जरूर बनाए रखें।

सिंह राशि : अग्नि तत्व की राशि सिंह के जातकों को भी 17 जून को बन रहे इस ध्रुव योग का फायदा होने वाला है। ये लोग अपने करियर में इच्छित लक्ष्यों को प्राप्त करेंगे। वहीं, दूसरी तरफ वैवाहिक जीवन में मिठास बढ़ेगी। इसके अलावा, सिंह राशि के लोगों को गंभीर रोगों का इलाज बचेगा।

तुला राशि : तुला राशि के जातकों को भी 17 जून 2026 में ध्रुव योग का लाभ मिलेगा। अगर आप इस दिन निवेश करते हैं तो उसका भी लाभ प्राप्त होगा। इसके अलावा, धर्म में रुचि बढ़ेगी। साथ ही गलत चीजों में फंसने बचे। आर्थिक मामलों में सोच-समझकर लिए गए फैसले भविष्य में अच्छा लाभ कमाकर देने वाले हैं। मानसिक शांति मिलेगी और गलतफहमियों से बच सकेंगे. विवादों से बचाव करें।

मकर राशि : मकर राशि के लोगों को भी पृथ्वी तत्व की राशि कहा जाता है। इस जातकों को भी जून 2026 में बन रहे ध्रुव योग से लाभ होगा। ये लोग इस समय बचत कर पाएंगे। दूसरी तरफ समाज में मान-सम्मान मिलेगा। इस समय मेहनत जरूर करें। इसका फल आपको जरूर मिलेगा।

चंद्रमा और मंगल ग्रह मिलकर चमकाएंगे इन 4 राशियों का भाग्य

जून का महीना ज्योतिषीय दृष्टि से बेहद खास रहने वाला है। इस महीने में कई राजयोग बन रहे हैं, जिससे राशिचक्र की राशियों को बहुत लाभ मिलने वाला है। पंचांग के अनुसार, यह शक्तिशाली महालक्ष्मी राजयोग 11 जून को बन रहा है और 13 जून तक प्रभावी होगा। इसमें चंद्रमा और मंगल की युति हो रही है। इन दोनों के साथ आने से धन के मार्ग खुलते हैं। चलिए जानते हैं इस राजयोग से कौन सी राशियों को फायदा होगा।

मेष राशि : मेष राशि के लोगों के लिए महालक्ष्मी राजयोग बेहद लाभदायक साबित होगा। दरअसल, मंगल इस राशि के स्वामी होते हैं। इसलिए, इस समय आपका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर होगा। इस समय आपको रुके हुए धन मिलने की संभावना है। फंसा हुआ पैसा वापस मिल सकता है। व्यापारियों की कोई बड़ी डील फाइनल हो सकती है। भूमि और वाहन खरीदने के योग बन रहे हैं।

कर्क राशि : कर्क राशि के लोगों के स्वामी मंगल है। उनकी युति आपके लिए आर्थिक मोर्चों पर बड़ी खुशखबरी लेकर आ रही है। इन लोगों की इनकम बढ़ने वाली है। इन लोगों को अचानक धनलाभ होगा। परिवार से सुख-शांति बढ़ेगी और पैतृक संपत्ति से लाभ कमा सकते हैं। इस अवधि में कर्क राशि के लोगों को निवेश से भी लाभ होगा।

सिंह राशि : इस राशि के लोगों को महालक्ष्मी राजयोग का लाभ मिलने वाला है। इस राजयोग से इन्हें भाग्य का साथ मिलेगा। सोचे हुए कार्य इस अवधि में पूरे होंगे। समाज और कार्यस्थल पर आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अगर आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो इन 3 दिनों के अंदर आपको अच्छा प्रस्ताव मिलने वाला है।

वृश्चिक राशि : वृश्चिक मंगल का दूसरी राशि मानी जाती है। इसलिए, इन लोगों को माता लक्ष्मी की विशेष कृपा मिलेगी। इन लोगों की आर्थिक स्थिति में जबरदस्त उछाल होगा और मुनाफा देखने को मिलेगा। कर्ज से मुक्ति मिल सकती है। आपके निर्णय लेने की क्षमता मजबूत होगी और व्यापार में लाभ होगा।

प्रोटीन पाउडर के सेवन से जुड़े जोखिमों

रोजाना प्रोटीन पाउडर का सेवन कर रहे हैं तो इससे होने वाले नुकसान भी जानिए

प्रोटीन पाउडर का सेवन करने से मांसपेशियों की मजबूती और वजन घटाने में मदद मिलती है। हालांकि, यह एक सप्लीमेंट है, जो हर किसी के लिए जरूरी नहीं होता। अगर आप इसे बिना जरूरत के लेते हैं तो इससे कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। आइए आज हम आपको प्रोटीन पाउडर के सेवन से जुड़े कुछ ऐसे जोखिमों के बारे में बताते हैं, जिनके बारे में आपको शायद ही पता हो।

पाचन तंत्र को कर सकता है प्रभावित

प्रोटीन पाउडर में मौजूद कृत्रिम स्वाद और अन्य तत्व पाचन तंत्र को खराब कर सकते हैं। इससे दस्त, गैस और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा कुछ प्रोटीन पाउडर में मौजूद दूध का तत्व भी पाचन तंत्र को प्रभावित कर सकता है। खासकर अगर आपको दूध से एलर्जी हो या आप इसे पचा नहीं पाते हों तो यह समस्या बढ़ सकती है। इसलिए, पाचन तंत्र की समस्याओं वाले लोग प्रोटीन पाउडर से बचें।

किडनी पर पड़ सकता है बुरा प्रभाव

प्रोटीन पाउडर का अधिक सेवन किडनी पर दबाव डाल सकता है। अगर आप पहले से ही किडनी की बीमारी से ग्रस्त हैं तो प्रोटीन पाउडर का सेवन आपके लिए हानिकारक हो सकता है। यह आपके शरीर में यूरिया और क्रिएटिनिन के स्तर को बढ़ा सकता है, जिससे किडनी की कार्यक्षमता प्रभावित होती है। इसलिए, किडनी की समस्याओं वाले लोग प्रोटीन पाउडर से बचें और डॉक्टर की सलाह के बाद ही इसका सेवन करें।

त्वचा पर पड़ सकता है प्रतिकूल प्रभाव

प्रोटीन पाउडर का अत्यधिक सेवन त्वचा की समस्याओं को बढ़ा सकता है। इससे मुंहासे, खुजली और सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा प्रोटीन पाउडर में मौजूद कृत्रिम स्वाद और अन्य तत्व त्वचा की संवेदनशीलता को बढ़ा सकते हैं। खासकर अगर आपकी त्वचा पहले से ही संवेदनशील हो या आपको किसी प्रकार की एलर्जी हो तो प्रोटीन पाउडर से त्वचा की समस्याएं बढ़ सकती हैं।

इसलिए, त्वचा की समस्याओं वाले लोग प्रोटीन पाउडर लेने से बचें।

वजन घटाने में नहीं है प्रभावी : वजन घटाने के लिए प्रोटीन पाउडर का सेवन करना जरूरी नहीं है। प्राकृतिक स्रोतों से प्राप्त प्रोटीन भी वजन घटाने में उतनी ही प्रभावी होती है, जितनी कि प्रोटीन पाउडर। इसके लिए आप अपनी डाइट में दालें, फलियां, दूध और अन्य प्राकृतिक खाद्य पदार्थ शामिल कर सकते हैं। इससे न केवल आपका वजन संतुलित रहेगा, बल्कि आपको आवश्यक सभी पोषक तत्व भी मिलेंगे। इसके अलावा प्राकृतिक प्रोटीन सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद होती है।

महिलाएं 30 की उम्र से पहले स्त्री रोग विशेषज्ञ से पूछें ये सवाल, बनी रहेंगी सेहतमंद

महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए नियमित जांच और सही जानकारी बहुत जरूरी है। अगर आप 30 साल से कम उम्र की हैं और अपने स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहना चाहती हैं तो अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से कुछ अहम सवाल जरूर पूछें। इससे आपको अपने शरीर और उसकी जरूरतों को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे सवाल बताते हैं, जो आपको अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से जरूर पूछने चाहिए।

पीरियड्स के दौरान दर्द का कारण क्या है?

अगर आपको पीरियड्स के दौरान बहुत ज्यादा दर्द होता है तो इसके पीछे का कारण जानने के लिए अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से सवाल जरूर करें। यह जरूरी है, क्योंकि कई बार यह दर्द गर्भाशय की अंदरूनी परत की समस्या या अंडाशय में गांठ जैसी समस्याओं का संकेत हो सकता है। इनके बारे में जानकर आप समय पर सही उपचार कर सकती हैं और अपने स्वास्थ्य का बेहतर तरीके से ध्यान रख सकती हैं।

पीरियड्स के दौरान असामान्य रक्तस्राव का कारण?

अगर आपको कभी भी अपने पीरियड्स के दौरान असामान्य रक्तस्राव होता है तो इसके कारण जानना बहुत जरूरी है। यह गर्भपात या अन्य गंभीर समस्याओं का संकेत हो सकता है। इसके अलावा इससे आपको अपने शरीर की जरूरतों को बेहतर तरीके से समझने में भी मदद मिलेगी। इससे आप समय पर सही उपचार कर सकती हैं और अपने स्वास्थ्य का ध्यान रख सकती हैं। इस जानकारी से आप अपनी सेहत को लेकर सतर्क रह सकती हैं।

गर्भनिरोधक उपाय क्या हैं?

अगर आप अपने यौन जीवन को सुरक्षित और स्वस्थ रखना चाहती हैं तो गर्भनिरोधक उपायों के बारे में जानना बहुत जरूरी है। अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से पूछें कि आपके लिए कौन-सा गर्भनिरोधक उपाय सबसे अच्छा रहेगा। इससे आप अनचाहे गर्भधारण से बच सकती हैं और अपने शरीर की जरूरतों के अनुसार सही विकल्प चुन सकती हैं।

प्रजनन स्वास्थ्य को लेकर क्या करें?

प्रजनन स्वास्थ्य एक अहम मुद्दा है, जिस पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से पूछें कि आपको क्या-क्या करना चाहिए, ताकि आपका प्रजनन स्वास्थ्य बेहतर रहे। इसके अलावा अगर आपको किसी भी तरह की चिंता हो तो उसे खुलकर व्यक्त करें, ताकि सही सलाह मिल सके। इन सवालों के जरिए आप न केवल अपने अंदरूनी शरीर, बल्कि अपनी सेहत का भी बेहतर तरीके से ध्यान रख सकती हैं।

शरीर में बदलाव कैसे पहचानें?

अपने शरीर में होने वाले बदलावों को पहचानना बहुत जरूरी है। अगर आपको किसी भी तरह का असामान्य बदलाव महसूस होता है तो तुरंत अपने स्त्री रोग विशेषज्ञ से संपर्क करें। यह बदलाव कुछ भी हो सकते हैं, जैसे कि असामान्य रक्तस्राव, दर्द या सूजन आदि।

बारिश में चटपटा खाने को करता है मन, फूड प्वाइजनिंग से बचने रखें इन बातों का ध्यान

मानसून का मौसम बैक्टीरिया और कीटाणुओं को बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल देता है, जो खाने से जुड़ी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इस दौरान फूड प्वाइजनिंग के कई मामले सामने आते हैं। इस स्थिति से बचने के लिए मानसून में खान-पान और सफाई का ध्यान रखना जरूरी है।

हाथ धोना है जरूरी

खाना खाने से पहले और बाद में अपने हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह धोना बहुत जरूरी है। इससे आप बैक्टीरिया और कीटाणुओं से बच सकते हैं। अगर आप बाहर कहीं खा रहे हैं तो अपने पास सैनिटाइजर जरूर रखें और उसका इस्तेमाल करें। इसके अलावा जब भी आप किसी सार्वजनिक स्थान पर जाएं तो अपने हाथों को साफ रखने के लिए टिश्यू पेपर का उपयोग करें और चेहरे को छूने से बचें।

फल और सब्जियों को धोकर खाएं

फल और सब्जियां भी फूड प्वाइजनिंग का कारण बन सकती हैं, खासकर जब उन्हें ठीक से धोया न जाए। इसलिए, जब भी आप फल या सब्जियां खाएं तो उन्हें पहले पानी से अच्छे से धो लें। इसके लिए आप हल्के गर्म पानी का उपयोग कर सकते हैं, जो कीटाणुओं को खत्म करने में मदद करेगा।

ताजे और गर्म खाने का सेवन करें

मानसून के दौरान ताजे और गर्म खाने का सेवन करें। खुले में मिलने वाले खाने से बचें, क्योंकि उनमें बैक्टीरिया और कीटाणु हो सकते हैं। इसके अलावा घर पर बने खाने को अच्छी तरह पकाकर खाएं। इससे न केवल स्वादिष्ट भोजन मिलेगा, बल्कि बैक्टीरिया और कीटाणु भी खत्म हो जाएंगे। कच्चा खाना खाने से फूड प्वाइजनिंग हो सकती है, जिससे फूड प्वाइजनिंग का कारण बन सकते हैं। इसलिए, पानी का सेवन करने से पहले इसे अच्छी तरह उबाल लें। उबालने से सभी तरह के कीटाणु और बैक्टीरिया मर जाते हैं, जिससे पानी सुरक्षित हो जाता है।

राजनांदगांव पैंथर्स ने सरगुजा टाइगर्स को 9 विकेट से दी करारी शिकस्त

भावेश साहू की घातक गेंदबाजी- सरगुजा टाइगर्स 64 रन पर ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा नवा रायपुर के शहीद वीरनारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 3 से 14 जून 2026 तक छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग के तीसरे संस्करण का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 8 जून को टूर्नामेंट का दूसरा मुकाबला सरगुजा टाइगर्स और राजनांदगांव पैंथर्स के बीच खेला गया। इस एकतरफा मुकाबले में राजनांदगांव पैंथर्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण (गेंदबाजी) करने का फैसला किया, जो उनकी टीम के लिए पूरी तरह से सही साबित हुआ। राजनांदगांव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सरगुजा टाइगर्स को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी।

मात्र 5 ओवर में हासिल किया लक्ष्य

केवल 65 रनों के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजनांदगांव पैंथर्स की टीम ने ताबड़तोड़ शुरुआत की। टीम ने केवल 5 ओवरों में ही 1 विकेट के नुकसान पर 65 रन बनाकर मैच आसानी से अपने नाम कर लिया। राजनांदगांव पैंथर्स की ओर से अजय मंडल ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए मात्र 17 गेंदों में 46 रनों की धुआंधार पारी खेली। वहीं, सरगुजा टाइगर्स की ओर से एकमात्र विकेट हर्ष यादव को मिला। राजनांदगांव पैंथर्स ने यह मैच 9 विकेट से जीत लिया। अपनी शानदार और मैच जिताऊ गेंदबाजी के लिए भावेश साहू को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

सरगुजा टाइगर्स ने बनाया सीसीपीएल इतिहास का सबसे कम स्कोर

पहले बल्लेबाजी करने उतरी सरगुजा टाइगर्स की टीम राजनांदगांव के गेंदबाजों के सामने ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। टीम की शुरुआत बेहद खराब रही और निरंतर अंतराल पर विकेट गिरते चले गए। पूरी टीम 16.5 ओवरों में 10 विकेट खोकर मात्र 64 रन ही बना सकी। यह सीसीपीएल के इतिहास का अब तक का सबसे कम स्कोर है। सरगुजा टाइगर्स की ओर से प्रथम जाचक ने सर्वाधिक 13 रन बनाए। राजनांदगांव पैंथर्स की ओर से भावेश साहू ने शानदार गेंदबाजी का प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट अपने नाम किए। उनके अलावा अजय मंडल और सुमित रुइकर ने भी बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए 2-2 विकेट चटकाए।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

माइकल पर लगे थे गंभीर आरोप, एक्स वाइफ ने दी थी गवाही

माइकल जैक्सन को दुनिया 'किंग ऑफ पॉप' के नाम से जानती है। उनके गाने, डांस मूव्स और स्टेज परफॉर्मेंस ने उन्हें म्यूजिक वर्ल्ड का सबसे बड़ा सुपरस्टार बना दिया था। लेकिन, उनके स्टारडम के साथ एक ऐसा विवाद भी जुड़ा रहा जिसने सालों तक उनका पीछा नहीं छोड़ा।

1990 के दशक की शुरुआत में उन पर नाबालिग लड़कों के यौन शोषण के आरोप लगे और देखते ही देखते ये मामला दुनिया भर में चर्चा का विषय बन गया। आरोप, पुलिस जांच, कोर्ट केस, गवाहियां और मीडिया की लगातार नजरें, माइकल जैक्सन की जिंदगी का यह दौर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं था। सबसे ज्यादा चर्चा 2005 के उस केस की हुई, जिसमें उन पर कई गंभीर आरोप लगे और पूरा मामला अदालत तक पहुंच गया। इसकी झलक नेटफ्लिक्स की माइकल जैक्सन द वर्डिक्ट डॉक्यू सीरीज में देखने को मिली, जिसके 3 एपिसोड में किंग ऑफ पॉप के केस की पूरी झलक दिखाई गई कि किसने उनके खिलाफ गवाही दी और कौन उनके साथ खड़ा रहा। साल 1993 में माइकल जैक्सन का नाम पहली बार ऐसे आरोपों से जुड़ा जिसने उनके करियर को हिला दिया। एक 13 साल के लड़के और उसके परिवार ने उन पर यौन शोषण के आरोप लगाए. मामला इतना बड़ा हो गया कि पुलिस जांच शुरू हो गई और मीडिया में लगातार खबरें चलने लगीं।

टॉलीवुड

वाराणसी में राम और कुंभकर्ण का 30 मिनट तक युद्ध

एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' साल 2027 की सबसे बड़ी फिल्म मानी जा रही है। फिल्म को लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है कि इसमें

'रामायण' के राम और कुंभकर्ण के बीच एक युद्ध का सीन दिखाया जाएगा, जैसा कि डायरेक्टर के पिता ने पुष्टि की है। यह सीन 30 मिनट लंबा होगा और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देगा। महेश बाबू राम का रोल प्ले करेंगे, लेकिन अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभकर्ण का किरदार निभाएंगे या नहीं। फिल्मी फोकस के एक इवेंट में, राजामौली के पिता और लेखक विजयेंद्र प्रसाद से उस 30 मिनट के सीन के बारे में पूछा गया, जिसका उन्होंने हिंट दिया था। जब उनसे पूछा गया कि यह पौराणिक है या राजनीतिक, तो लेखक ने कहा, 'यह राम और कुंभकर्ण के बीच युद्ध है... आपने ट्रेलर में देखा होगा, है ना? आपने राम और कुंभकर्ण को देखा। आपने भगवान हनुमान की पूंछ और उस पर रथ देखा। मैं उसी की बात कर रहा हूं... मंत्रमुग्ध कर देने वाला।' उन्हें जल्द ही एहसास हो गया कि उन्हें फिल्म के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं देनी चाहिए। जब उनसे पूछा गया कि क्या फिल्म पुराने समय पर आधारित है और यह आइडिया किसका था, तो उन्होंने कहा, 'हमें अब इस बारे में और बात नहीं करनी चाहिए।' एसएस राजामौली ने पहले ही पुष्टि कर दी थी कि महेश बाबू राम के किरदार में नजर आएंगे, लेकिन अब फैंस यह अटकलें लगा रहे हैं कि क्या पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभकर्ण की भूमिका निभाएंगे। पिछले साल एक इवेंट में राजामौली ने कहा था, 'पहले दिन जब महेश भगवान राम के वेश में फोटोशूट के लिए आए, तो मेरे रोंगटे खड़े हो गए।

भोजपुरी

पवन सिंह खुद पर बनी फिल्म में बने हीरो

भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह अपनी नई फिल्मों और गानों की शूटिंग लगातार करते रहते हैं। फिलहाल वो खुद पर बनी फिल्म की शूटिंग अपने गांव जोकहरी में कर रहे हैं, जो उनकी जिंदगी पर बेस्ड होगी।

इसके लिए एक्टर और सिंगर अपने गांव पहुंचे, जहां उन्हें देखने के लिए लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, पवन सिंह अपनी जिंदगी की स्ट्रगल और सफलता की कहानी पर आधारित फिल्म की शूटिंग के लिए अपने गांव पहुंचे हैं। जैसे ही उनके आने की खबर फैली, बड़ी संख्या में लोग शूटिंग देखने के लिए दौड़ पड़े। पवन सिंह की केवल एक झलक देखने के लिए हजारों की भीड़ ने उन्हें घेर लिया। शूटिंग के वक्त पवन सिंह के लिए सुरक्षा के खास इंतजाम किए गए, ताकि किसी तरह की दिक्कत न हो सके। जहां एक तरफ फैंस की भीड़ उन्हें घेर रही थी, वहीं दूसरी तरफ उनके लिए हर तरह की व्यवस्था की गई थी। वहां शूटिंग देखने गए लोगों ने बताया कि पवन सिंह का अपने पैतृक गांव से खास लगाव है और वे रह-रहकर कुछ दिनों पर यहां आते रहते हैं। ऐसे में उनकी ही लाइफ पर बनी फिल्म की शूटिंग गांव में होना लोगों को अलग ही खुशी दे रहा है। गांव के लोगों का कहना है कि पवन सिंह ने अपने संघर्ष, मेहनत और प्रतिभा के दम पर भोजपुरी फिल्म जगत में अलग पहचान बनाई है। काम की बात करें, तो भोजपुरी स्टार्स पवन सिंह, दिनेश लाल यादव (निरहुआ), आम्रपाली दुबे, काजल राघवानी और तेज प्रताप यादव रियलिटी सीरीज 'भोजपुरी बवाल' में अपने बेबाक अंदाज में नजर आएंगे। यह सीरीज अपनी तरह का अनोखा 'फॉलो रियलिटी' फॉर्मेट पेश करती है, जिसमें कोई टास्क, एलिमिनेशन या बनावटी ड्रामा नहीं है। इसके बजाय, कैमरे इन स्टार्स की रोजमर्रा की जिंदगी के दर्शक बन जाते हैं, जिससे उनकी जिंदगी देखने को मिलेगी।

लाइफ स्टाइल

सीधा पल्लू साड़ी में बला की खूबसूरत दिखीं

पेड्डी के प्रमोशन इवेंट के लिए जाह्नवी कपूर ने अनामिका खन्ना की डिजाइन की हुई वाइट आइवरी साड़ी पहनी। इस लुक की खासबात ये रही कि सिंपल होने के बावजूद बेहद एलिगेंट और ग्लैमरस नजर आ रहा था। साड़ी पर बारीक एम्ब्रॉयडरी की गई थी, जो पूरे आउटफिट को रॉयल टच दे रही थी। सॉफ्ट और शीयर फैब्रिक से बनी इस साड़ी में हल्का और ग्रेसफुल लुक देखने को मिला। इस साड़ी की सबसे खास बात थी इसका केप-स्टाइल पल्लू. पल्लू को इस तरह डिजाइन किया गया था कि वह कंधों और हाथों पर बहुत खूबसूरती से गिर रहा था।

भारतीय त्वचा पर बेहतरीन लगते हैं कुछ चुनिंदा लिपस्टिक शेड, हर महिला कर सकती है ट्राई

लिपस्टिक हर महिला के मेकअप का अहम हिस्सा होती है। सही लिपस्टिक शेड चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है, खासकर अगर आपकी त्वचा का रंग गहरा हो। भारतीय त्वचा के लिए ऐसे कई शेड हैं, जो न केवल खूबसूरत लगते हैं, बल्कि लंबे समय तक टिके रहते हैं। आज के मेकअप टिप्स में हम आपको ऐसे लिपस्टिक शेड के बारे में बताएंगे, जो भारतीय त्वचा पर बहुत अच्छे लगते हैं।

गुलाबी टोन वाली लिपस्टिक : गुलाबी टोन वाली लिपस्टिक भारतीय त्वचा के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। यह रंग न केवल आपके होंठों को निखारता है, बल्कि आपके चेहरे को भी ताजगी देता है। गुलाबी टोन वाली लिपस्टिक हर मौके पर इस्तेमाल की जा सकती है, चाहे वह रोजमर्रा हो या किसी खास अवसर पर जाना हो। इस रंग की खासियत यह है कि यह आपके होंठों को प्राकृतिक दिखाता है और उन्हें मुलायम बनाता है।

गहरा लाल शेड : गहरे लाल शेड की लिपस्टिक गहरी त्वचा वाली महिलाओं के लिए एकदम सही होती है। यह रंग आपके लुक को खास अंदाज देता है और आपको आत्मविश्वास से भरपूर महसूस करवाता है। गहरे लाल शेड की लिपस्टिक खासकर रात की पार्टियों या किसी खास मौके पर लगाई जा सकती है। इसके अलावा यह रंग आपके होंठों को आकर्षक बनाता है और आपके पूरे लुक को खास बनाता है। यह भारत की शादीशुदा महिलाओं के श्रृंगार का हिस्सा है।

गहरा गुलाबी शेड

गहरे गुलाबी शेड की लिपस्टिक आपके लुक को चमकदार बनाती है और आपको युवा दिखाती है। यह रंग दिन हो या रात, हर समय आपके होंठों पर खूबसूरती बिखेर सकता है। गहरे गुलाबी शेड की लिपस्टिक खासकर तब अच्छी लगती है जब आप अपने लुक में थोड़ी-सी चमक चाहती हैं। इसके अलावा यह रंग आपके चेहरे पर ताजगी और ऊर्जा भरता है, जिससे आप हर मौके पर आकर्षक लगती हैं।

नारंगी लाल शेड

नारंगी लाल शेड की लिपस्टिक गर्मियों में बहुत अच्छी लगती है। यह रंग न केवल आपको ताजगी देता है, बल्कि आपके पूरे लुक को भी खास बनाता है। नारंगी लाल शेड की लिपस्टिक खासकर दिन के समय या किसी बाहरी आयोजन पर पहनी जा सकती है। इसके अलावा यह रंग आपके होंठों को आकर्षक बनाता है और आपको आत्मविश्वास से भरपूर महसूस करवाता है। इन लिपस्टिक शेड के जरिए आप अपनी खूबसूरती को और भी निखार सकती हैं।

गर्मियों में ट्राई करें हल्के फैब्रिक्स जो रखेंगे आपको पूरे दिन फ्रेश और

फैशन

गर्मियों का मौसम आते ही लोगों की सबसे बड़ी चिंता बन जाती है कि आखिर ऐसा क्या पहना जाए जिससे गर्मी भी कम लगे और लुक भी स्टाइलिश दिखे। कई बार लोग फैशन के चक्कर में ऐसे कपड़े पहन लेते हैं जो त्वचा को नुकसान पहुंचाते हैं और गर्मी को और बढ़ा देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि आप ऐसे फैब्रिक्स चुनें जो हल्के हों, त्वचा को सांस लेने दें और पूरे दिन आरामदायक महसूस कराएं। आइए जानते हैं गर्मियों के लिए ऐसे फैब्रिक्स के बारे में जो आपको कूल और फैशनेबल दोनों बनाए रखेंगे।

कॉटन : जब भी गर्मियों के कपड़ों की बात होती है, कॉटन सबसे पहले याद आता है। सूती कपड़े शरीर के लिए बेहद आरामदायक माने जाते हैं। यह एक नेचुरल फैब्रिक है जिसमें हवा आसानी से पास होती रहती है। आजकल खादी कॉटन, हैंडलूम शर्ट्स, कॉटन कुर्ते और सिंपल कॉटन ड्रेसेस काफी ट्रेंड में हैं। ऑफिस से लेकर डेली वियर तक, यह हर मौके के लिए एक अच्छा विकल्प है। इसमें पसीना जल्दी सूख जाता है और त्वचा चिपचिपी महसूस नहीं करती। कॉटन के कपड़े त्वचा पर नरम लगते हैं और एलर्जी या रैशेज की संभावना भी कम होती है।

लिनेन : अगर आप गर्मियों में आराम के साथ एलिगेंट लुक चाहते हैं तो लिनेन एक शानदार विकल्प हो सकता है। यह फैब्रिक फ्लेक्स प्लांट से तैयार किया जाता है और काफी हल्का होता है। इसकी खास बात यह है कि यह शरीर से चिपकता नहीं है और लंबे समय तक ठंडक का एहसास देता है। लिनेन की शर्ट्स, ट्राउजर और को-ऑर्ड सेट्स आजकल फैशन में काफी पसंद किए जा रहे हैं। यह फैब्रिक थोड़ा जल्दी क्रश जरूर होता है, लेकिन इसकी यही नैचुरल सिलवटें इसे और ज्यादा स्टाइलिश बनाती हैं। गर्मियों की छुट्टियों और कैजुअल आउटिंग के लिए लिनेन बेस्ट माना जाता है।

शिफॉन : गर्मियों में किसी शादी, पार्टी या फंक्शन में जाना हो तो भारी कपड़ों की जगह शिफॉन पहनना ज्यादा बेहतर रहता है। शिफॉन बेहद हल्का और फ्लोई फैब्रिक होता है जो शरीर पर ज्यादा भारी महसूस नहीं होता। फ्लोरल प्रिंट वाली शिफॉन साड़ियां, गाउन और ड्रेसेस गर्मियों में काफी खूबसूरत लगती हैं। यह फैब्रिक आपको स्टाइलिश और एलिगेंट लुक देता है।

मेकअप से पहले इन बातों का रखें ध्यान त्वचा रहेगी स्वस्थ, चेहरा लगेगा सुंदर

मेकअप करने से पहले कुछ जरूरी कदम उठाना बहुत जरूरी है। इससे न केवल आपका मेकअप बेहतर दिखता है, बल्कि आपकी त्वचा भी स्वस्थ रहती है। सही तरीके से त्वचा की देखभाल करने से मेकअप लंबे समय तक बना रहता है और चेहरे पर चमक आती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी टिप्स देंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने मेकअप को और भी बेहतर बना सकते हैं।

त्वचा को साफ करें : मेकअप करने से पहले सबसे पहला कदम है कि अपनी त्वचा को अच्छी तरह से साफ करें। इसके लिए आप हल्के फेसवॉश का उपयोग कर सकते हैं, जो आपकी त्वचा की गंदगी और तेल को दूर करे। यह कदम आपके चेहरे को ताजगी देगा और मेकअप के लिए एक साफ आधार तैयार करेगा। इसके बाद अपने चेहरे को साफ पानी से धो लें और टॉवल से हल्के-हल्के पोंछ लें।

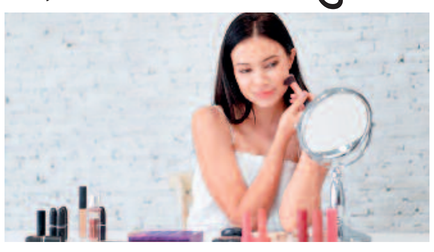

टोनर का करें इस्तेमाल : फेसवॉश के बाद टोनर का इस्तेमाल करना बहुत जरूरी है। टोनर आपकी त्वचा के छिद्रों को बंद करने में मदद करता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है। इसके लिए आप रूई पर थोड़ा सा टोनर लगाकर अपने पूरे चेहरे पर हल्के हाथों से थपथपा सकते हैं। इससे आपकी त्वचा ताजगी भरी महसूस होगी और मेकअप भी बेहतर तरीके से जमेगा। टोनर का नियमित उपयोग आपकी त्वचा को निखारता है और उसे स्वस्थ बनाए रखता है।

नमी देने वाला क्रीम लगाएं : मेकअप करने से पहले नमी देने वाला क्रीम लगाना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आपकी त्वचा को नमी देता है और उसे मुलायम बनाता है। अगर आपकी त्वचा सूखी है तो गाढ़े क्रीम का चयन करें, जबकि तैलीय त्वचा वालों के लिए हल्के जेल आधार वाला क्रीम बेहतर होते हैं। इससे आपका मेकअप लंबे समय तक बना रहेगा और आपकी त्वचा भी स्वस्थ दिखेगी। नियमित उपयोग से आपकी त्वचा को पोषण मिलता है और वह चमकदार बनी रहती है।

बिना टॉप को टक किए इन तरीकों से स्टाइल करें फ्लेयर्ड जींस, कमर लगेगी पतली

फ्लेयर्ड जींस फैशन की दुनिया में हमेशा से ही लोकप्रिय रही हैं। ये जींस हाई वेस्ट होती हैं, ऊपर से टाइट होती हैं और इनके पैर चौड़े होते हैं। आम तौर पर इनको स्टाइल करते समय महिलाएं टॉप को जींस में टक करना ही पसंद करती हैं।

पेपलम टॉप चुनें : पेपलम ऐसे टॉप होते हैं, जो कमर के पास से कसे हुए होते हैं। इस तरह के टॉप ऊपर से तो सामान्य टॉप जैसे लगते हैं। हालांकि, इनका निचला हिस्सा कमर के पास से टाइट होता है। इससे कमर कसती है और एक सिलवेट बन जाती है, जिससे आप पतली और लंबी दिखाई दे सकती हैं। आप किसी भी डिजाइन या रंग वाला पेप्लम टॉप चुन सकती हैं। इसे आपको फ्लेयर्ड जींस में टक नहीं करना पड़ेगा।

कमर से कसी हुई शर्ट पहनें : अगर आप फ्लेयर्ड जींस के साथ शर्ट पहनने की सोच रही हैं तो थोड़ा बदलाव करके देखें। साधारण-सी शर्ट को पिन की मदद से थोड़ा टाइट कर लें या आगे की तरह से थोड़ा डिजाइनर बना लें। इससे आपकी कमर की ओर ध्यान आकर्षित होगा और आप सुंदर लगेंगी। अगर आप अपनी शर्ट में पिन नहीं लगाना चाहती हैं तो टाइट फिटिंग वाली क्रॉप शर्ट खरीद लें। इसके अलावा कॉर्सेट वाली शर्ट भी इस जींस के साथ अच्छी लगेगी।

क्रॉप टॉप का चुनाव करें : फ्लेयर्ड जींस के ऊपर साधारण फिटिंग वाली टी-शर्ट थोड़ी कम आकर्षक लग सकती हैं। इनके बजाय आपको एक सुंदर-सा क्रॉप टॉप चुनना चाहिए, जो कमर तक आता हो। इसकी जगह पर आप बेबी टी भी चुन सकती हैं, जिसमें थोड़ा पेट नजर आता है और पतली कमर का भ्रम पैदा होता है।

कार्नर न्यूज

फुटवियर किसी भी पहनावे का एक बेहद जरूरी हिस्सा है

गर्मियों में आरामदायक और ट्रेंडी दिखने के लिए वॉर्डरोब में शामिल करें ये फुटवियर्स

फुटवियर किसी भी लुक को पूरा करने के लिए सबसे जरूरी है और इसे ही सबसे ज्यादा इग्नोर किया जाता है। गर्मियों के मौसम में अगर आपको स्टाइलिश और कम्फर्टेबल दिखना है, तो इन ट्रेंडी फुटवियर्स को ट्राई करें। इस बार गर्मियों में स्टाइलिश दिखने के लिए अपने कलेक्शन में शामिल करें इस तरह के फुटवियर्स. फुटवियर किसी भी पहनावे का एक बेहद जरूरी हिस्सा है, जो लुक को बना भी सकते हैं और बिगाड़ भी सकता है। यहां कुछ ट्रेंडिंग समर फुटवियर दिए गए हैं, जो आपके वॉर्डरोब में जरूर होने चाहिए।

चमड़े के चप्पल- लेदर सैंडल गर्मी के मौसम में पहनने के लिए आरामदायक और हवादार होते हैं और शॉर्ट्स, स्कर्ट और जींस के साथ अच्छे लगते हैं। लेदर सैंडल्स हर चीज़ के साथ मेल खाते हैं, साथ ही आपके एथनिक वॉर्डरोब को भी कवर करते हैं।

कोल्हापुरी चप्पल

कोल्हापुरी चप्पल में उपयोग किए जाने वाले चमड़े में कोई एलर्जी विशेषता नहीं होती है और यह नरम, रेशमी और हल्के आधार के साथ आते हैं। ये शरीर की गर्मी और पसीने को भी अवशोषित करते हैं और डॉक्टरों द्वारा इन्हें पहनने की सलाह दी जाती है।

क्लॉग्स

क्लॉग्स मुख्य रूप से पैरों को सुरक्षा प्रदान करते हैं, जो खेती करने वाले और कारखानों में काम करने वाले मुख्य रूप से पहने हैं। पहले, ये किसानों और मजदूर वर्ग के सस्ते और लोककथाओं के जूते से जुड़े थे, जो स्वीडिश और जापानी धरती से भारत आए थे। हालांकि, आज ये एक फैशन स्टेटमेंट बन चुका है। गर्मियों के लिए ये जूते सांस लेने योग्य हैं और पैरों को ठंडा रखने के साथ ही अधिक गर्मी से भी बचाते हैं।

एस्पैड्रिल्स

एस्पैड्रिल्स कपास, लिनन और कैनवास जैसी हल्की सामग्री से बने होते हैं। वे मुख्य रूप से गर्मी के दिनों में पहनने के लिए डिजाइन किए गए होते हैं, जो सांस लेने योग्य और आरामदायक होते हैं। ये अलग-अलग रंगों और डिजाइनों में आते हैं, जो इसे गर्मियों के लिए एक आदर्श विकल्प बनाता है।

म्यूल्स

म्यूल्स ऊंची एड़ी के जूते का एक आदर्श विकल्प हैं और इन्हें पहनना आसान है। इसे पहनकर चलना आरामदायक होता है साथ ही ये आपको ठंडा भी रखते हैं। चाहे वह ओपन हो या कोल्स टिप. म्यूल्स महिलाओं के बीच काफी पॉपुलर होते जा रहे हैं और अब पुरुष भी उन्हें अपने समर वार्डरोब में शामिल करने लगे हैं।